mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-80 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
24 मार्च 2025 सोमवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

आईपीएल में बेहतर...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

शेख हसीना को फिर प्रधानमंत्री बनाने की जुगत में सेना

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की सेना क्या शेख हसीना को फिर से प्रधानमंत्री बनाने की जुगत कर रही है, क्या सेना बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस का तख्तापलट करने वाली है... यह दावा बांग्लादेश के उन्हीं छात्रों की ओर से किया जा रहा है, जिन्होंने अगस्त 2024 में शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से अपदस्थ कर दिया था। छात्रों के इसी आंदोलन के चलते शेख हसीना को अपना देश छोड़ना पड़ गया था। मगर क्या अब बांग्लादेश में बाजी फिर पलटने वाली है, क्या वाकई मोहम्मद यूनुस की सरकार का तख्तापलट होने वाला है? बांग्लादेश में तख्तापलट का आरोप लगाकर छात्रों के नवगठित राजनीतिक

दल एनसीपी ने खलबली मचा दी है। छात्रों के इन आरोपों से बांग्लादेश से लेकर आसपास के देशों में भी हलचल पैदा हो गई है। बता दें कि नवगठित छात्र नेतृत्व वाली पार्टी के आरोपों को लेकर बांग्लादेश की राजनीति में गहमागहमी पैदा हो गई है। मगर छात्रों ने यह आरोप किस आधार पर लगाया है, इसका खुलासा उन्होंने नहीं किया है। उन्होंने साफ तौर पर सेना को निशाने पर लिया है। छात्रों का कहना है कि सेना अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग की बहाली की योजना बना रही है। सेना ने छात्रों की पार्टी एनसीपी के इन आरोपों को ÷हास्यास्पद और मनगढंत कहानियां÷ बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया है। बता दें कि नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) ने शनिवार को देश के प्रतिष्ठित ढाका विश्वविद्यालय परिसर में विरोध रैलियां कीं तथा पार्टी को पुनर्स्थापित करने की ÷सैन्य समर्थित साजिश÷ को किसी भी कीमत पर विफल करने की कसम खाई। स्वीडन स्थित बांग्लादेश-केंद्रित समाचार चैनल नेत्रो न्यूज को जारी एक बयान में सैन्य मुख्यालय ने कहा, यह एक राजनीतिक हथकंडे के अलावा और कुछ नहीं था।

मध्य-पूर्व में फिर भड़की जंग की भीषण आग

दीर अल-बलाह (एजेंसी)। इजरायल और हमास में संघर्ष विराम टूटने के बाद से ही दोबार जंग शुरू हो गई है। अब यह जंग एक बार फिर मध्य-पूर्व में भयानक रूप धारण करने जा रही है। पिछले 5 दिनों में गाजा में इजरायली हमले में 600 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। वहीं लेबनान में ताजा हमले में काफी संख्या में लोग मारे गए हैं। गाजा पर हमले के जवाब में हमास आतंकी, यमन के हूतिये और लेबनान से हिजबुल्लाह लड़के मिलकर इजरायल पर हमला कर रहे हैं। इस बीच गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने युद्ध में मौतों का खौफनाक मंजर दर्शाने वाला आंकड़ा जारी किया है। गाजा का कहना है कि इजरायल-हमास युद्ध में 50,000 से अधिक फिलस्तीनी मारे गए हैं।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि युद्ध में अब तक 1,13,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। रविवार को साझा की गई। इस जानकारी में वे 673 मृतक भी शामिल हैं, जो पिछले सप्ताह युद्ध विराम समाप्त करने के बाद इजराइल द्वारा अचानक किए गए हवाई हमलों में मारे गए हैं। मंत्रालय ने इस बात को स्पष्ट नहीं किया कि मृतकों में कितने आम नागरिक और कितने लड़ाके शामिल हैं। कई महीनों तक युद्ध में आई शांति में फिर से अशांति की आग भड़क गई है। गाजा पर हमले के विरोध में यमन के हूतिये लगातार इजरायल पर मिसाइल और रॉकेट से हमले कर रहे हैं। इजरायल को इसमें ईरान का हाथ होने का भी शक है। इससे इजरायल और ईरान में भी तनाव बढ़ने लगा है। वहीं दक्षिणी लेबनान से भी इजरायल के ऊपर रॉकेट और मिसाइलें दागी जा रही हैं। इजरायल में लगातार हवाई हमलों के सायरन बजते हुए देखे जा सकते हैं। जवाब में इजरायली सेना भी हमास और हिजबुल्लाह समेत हूतियों के ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले कर रही है।

राघवेंद्र स्वामी मठ में 30 दिनों में साढ़े 3 करोड़ से ज्यादा आया दान

रायचूर (एजेंसी)। कर्नाटक के एक मंदिर में करोड़ों रुपये का दान दिया गया है। ये दान यहां आने वाले भक्तों ने दिया है। इसमें भारी मात्रा में कैश, सोना और चांदी शामिल है। राघवेंद्र स्वामी मठ कर्नाटक के रायचूर जिले में है। इस मंदिर में कुल 3,48,69,621 (3 करोड़ 48 लाख 69 हजार 621) रुपये नकद, 32 ग्राम सोना और 1.24 किलोग्राम चांदी दान की गई है। मंदिर का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें सौ से अधिक पुजारी राघवेंद्र स्वामी मठ में दान की रकम गिनते नजर आ रहे हैं। मंदिर में ये दान पिछले 30 दिनों तक चढ़ाया गया, क्योंकि 16वीं शताब्दी के संत राघवेंद्र स्वामी की जयंती मनाने के लिए लाखों श्रद्धालु मंदिर में आए थे। मंदिर पिछले साल यूनाइटेड किंगडम के पूर्व प्रधान मंत्री ऋषि सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति ने भी बेंगलुरु में राघवेंद्र स्वामी मठ का दौरा किया था। इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति और राज्यसभा सदस्य सुधा मूर्ति अपनी बेटी और दामाद के साथ मठ पहुंचे हुए थे। नारायण मूर्ति के परिवार को मंदिर में आरती करते देखा गया था।

दिल्ली में हार के बाद पहली बार 'आप' दफ्तर के पब्लिक प्रोग्राम में शामिल हुए केजरीवाल

'सत्ता के लिए नहीं, भगत सिंह के सपनों के लिए राजनीति में आए'

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली में पार्टी की करारी हार के बाद आज पहली पार्टी दफ्तर में आयोजित पब्लिक प्रोग्राम में शामिल हुए। शहीद भगत सिंह के बलिदान दिवस पर पार्टी के दफ्तर में यह कार्यक्रम रखा गया था। इस अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। अरविंद केजरीवाल ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि बीजेपी की सरकार ने सत्ता संभालने के 48 घंटे के अंदर बाबा साहेब अंबेडकर की फोटो हटा दी। अब तो मैं यही चाहता हूं कि दिल्ली की जनता को जो मौजूदा सुविधाएं मिल रही हैं, वह बंद ना हो। महिलाओं को कहा जा रहा है कि मोबाइल ऐप से खरीदो। कितनी महिला ये कर पाएगी?

केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी ने महिलाओं को 2500 रुपये प्रतिमाह देने का वादा किया लेकिन अभी तक नहीं दिया। दो सिलेंडर मुफ्त देने का क्या हुआ? केजरीवाल ने आगे कहा-हम सत्ता

के लिए नहीं बाबा साहेब अंबेडकर और भगत सिंह के सपनों के लिए आए हैं। जब इतिहास लिखा जाएगा तो यह लिखा जाएगा कि क्रूर शासकों से आम आदमी पार्टी लड़ी। इस कार्यक्रम में आम आदमी के सभी पदाधिकारी, विधायक, पार्षद और नेता शामिल हुए। अरविंद केजरीवाल हाल ही में 10 दिवसीय विपश्यना सत्र से वापस लौटे हैं। होशियारपुर से लगभग 11 किलोमीटर दूर आनंदगढ़ गांव में स्थित धम्म धजा विपश्यना केंद्र में उन्होंने यह सत्र पूरा किया। विपश्यना, ध्यान के लिए एक प्राचीन भारतीय विधि है जो आत्म-अवलोकन के माध्यम से आत्म-परिवर्तन पर केंद्रित है।

पांच फरवरी के दिल्ली विधानसभा चुनाव में नयी दिल्ली सीट से चुनाव हारने के बाद केजरीवाल सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं और उन्होंने खुद को पार्टी से संबंधित गतिविधियों तक ही सीमित कर रखा है। आम आदमी पार्टी ने भारी जनादेश के साथ 2015 से 2024 तक दिल्ली पर राज किया था लेकिन इस हालिया विधानसभा चुनाव में वह 70 सदस्यीय सदन में 22 सीट पर सिमट गयी।

'जहां-जहां हिंदू घटा, वहां-वहां पिटा'

मैनपुरी (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के सांसद साक्षी महाराज ने हिंदुओं से जनसंख्या बढ़ने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जहां हिंदुओं की आबादी घटी है, वहां वे पिटे हैं। साक्षी महाराज मैनपुरी में आयोजित अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा के सम्मेलन में बोल रहे थे। साक्षी महाराज ने संभल और नागपुर में हिंसा करनेवालों को

चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि जो लोग बदतमीजी कर रहे हैं ना, कभी कश्मीर में कर देते हैं तो कभी संभल में कर देते हैं, कभी नागपुर में कर देते हैं। इनके खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए आपको तैयार होना है।उन्होंने कहा कि हम तो बाबाजी हो गए। आपको जनसंख्या पर थोड़ा ध्यान देना होगा। जहां-जहां हिंदू घटा, वहां-वहां पिटा... कश्मीर में हिंदू पिट गया संभल में टूट गया। साक्षी महाराज ने आगे कहा-%यह तो भला कहें भगवान का कि हमें योगी जी मिल गए, मोदी जी मिल गए, और देश बच गया। नहीं तो इस देश में दुश्मन गजवा ए हिंद के सपने देख रहे थे।साक्षी महाराज ने आगे कहा-पीएफआई का एजेंडा था कि 2047 तक गजवा-ए-हिंद करना था। यही तारीख तय की गई थी लेकिन मैं प्रणाम करता हूं मोदी जी की मां को जिन्होंने ऐसा लाल पैदा किया।

पंजाब में एचआरटीसी की बसों को निशाना बना रहे खालिस्तानी

हिमाचल के डिप्टी सीएम बोले- पंजाब सीएम से बात की, सुरक्षा चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब में हिमाचल प्रदेश की बसों में तोड़फोड़ और खालिस्तानी नारे लिखे जाने के बाद हिमाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी संपत्ति की चिंता है। वह पंजाब के आंतरिक मुद्दों पर नहीं पड़ना चाहते हैं, लेकिन उन्हें अपनी बसों के लिए सुरक्षा चाहिए। उन्होंने कहा कि हिमाचल सरकार पंजाब सरकार से बात कर रही है। पंजाब के मुख्यमंत्री से भी बात की गई है।

हिमाचल प्रदेश के डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री ने कहा, ÷हमें अपनी संपत्ति की चिंता है। हमारी 600 बसें हैं जो पंजाब जाती हैं, इसलिए हमारे साथ दो-तीन घटनाएं हुई हैं। पहली घटना में हमारी बस में तोड़फोड़ की गई, और हंगामा हुआ। हालांकि दो गिरफ्तारियां हुई हैं। इसलिए हम पंजाब सरकार से बात कर रहे हैं और पंजाब के मुख्यमंत्री से भी बात की है, और दोनों राज्यों के डीजीपी एक दूसरे से बात कर रहे हैं। हम अपनी बसों की सुरक्षा चाहते हैं, और हम जहां हमारी बसें खड़ी हैं वहां सुरक्षा की मांग कर रहे हैं।

पंजाब के अमृतसर में बस स्टैंड पर शनिवार को कुछ अज्ञात लोगों ने हिमाचल सड़क परिवहन निगम

(एचआरटीसी) की चार बसों के हवारोधी शीशे (विंडशील्ड) तोड़ दिए। पुलिस के अनुसार बसों पर खालिस्तान के समर्थन में नारे भी लिखे हुए मिले। ये बस यहां एक बस स्टैंड पार्किंग में खड़ी थीं और घटना के समय उनमें कोई मौजूद नहीं था। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। कुछ दिन पहले मोहाली के खरार में भी दो अज्ञात व्यक्तियों ने एचआरटीसी की एक बस की विंडशील्ड और कुछ खिड़कियां क्षतिग्रस्त कर दी थीं।

कुछ दिन पहले हिमाचल प्रदेश में कुछ स्थानीय लोगों ने पंजाब के युवकों के एक समूह की मोटरसाइकिलों से आतंकवादी जरनैल सिंह भिंडरावाले की तस्वीर वाले झंडे उतार दिये थे, जिसके बाद विवाद पैदा हो गया था।

वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ होगा प्रदर्शन

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने किया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में 17 मार्च को हुए प्रदर्शन के बाद,ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है। इसके तहत 26 मार्च को पटना और 29 मार्च को विजयवाड़ा में विधानसभाओं के समक्ष बड़े पैमाने पर विरोध-धरनों का आयोजन किया जाएगा। बोर्ड के प्रवक्ता और वक्फ विधेयक के खिलाफ गठित एक्शन कमेटी के संयोजक डॉ. एस.क्यू.आर. इलियास ने मुस्लिम संगठनों, सिविल सोसाइटी आंदोलनों, दलित, आदिवासी, ओबीसी और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ÷अल्लाह की मदद और इन सभी वर्गों के सहयोग के बिना दिल्ली का ऐतिहासिक प्रदर्शन संभव नहीं था।÷ उन्होंने विपक्षी दलों और उन सांसदों का भी आभार जताया जिन्होंने न केवल बड़ी संख्या में प्रदर्शन में भाग लिया, बल्कि वक्फ संशोधन विधेयक को पूरी तरह खारिज कर दिया। बोर्ड की ओर से गठित

31 सदस्यीय एक्शन कमेटी ने निर्णय लिया है कि यह विधेयक न केवल विवादास्पद और पक्षपातपूर्ण है, बल्कि अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए बेहद हानिकारक भी है। अतः इसके खिलाफ संवैधानिक, कानूनी और लोकतांत्रिक माध्यमों से राष्ट्रव्यापी आंदोलन चलाया जाएगा।

26 मार्च को पटना में, 29 मार्च को विजयवाड़ा में प्रदर्शनः आंदोलन के पहले चरण के तहत 26 मार्च को पटना और 29 मार्च को विजयवाड़ा में विधानसभाओं के समक्ष बड़े पैमाने पर विरोध-धरनों का आयोजन किया जाएगा। इन धरनों में केंद्रीय नेतृत्व टीम, विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संगठनों के राष्ट्रीय और प्रांतीय प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

संविधान धर्म आधारित कोटे की इजाजत नहीं देता

कर्नाटक में सरकारी ठेकों में मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण पर संघ का बयान

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार द्वारा सरकारी ठेकों में मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण देने के फैसले पर जारी बहस के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ऋस्र) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले का बयान सामने आया है। उन्होंने रविवार को कहा कि संविधान धर्म आधारित कोटे की इजाजत नहीं देता। इस तरह का आरक्षण बी आर आंबेडकर द्वारा लिखित संविधान के खिलाफ है।

संघ की सर्वोच्च निर्णायक संस्था 'अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा' की तीन दिवसीय बैठक के समापन के अवसर पर बेंगलुरु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में होसबाले ने कहा, ''बाबा साहेब आंबेडकर द्वारा लिखित संविधान में धर्म आधारित आरक्षण को स्वीकार नहीं किया गया है। ऐसा करने वाला कोई भी व्यक्ति हमारे संविधान निर्माता के खिलाफ जा रहा है।'' उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व में अविभाजित आंध्र प्रदेश

और महाराष्ट्र की ओर से किए गए मुसलमानों के लिए धर्म-आधारित आरक्षण लागू करने के प्रयासों को उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय ने खारिज कर दिया था। होसबाले ने इस बात पर जोर दिया कि अदालतों ने ऐसे आरक्षण के प्रावधानों को खारिज किया है।

महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र को लेकर उठे विवाद के बारे में पूछे गए सवाल पर संघ नेता ने कहा कि औरंगजेब का महिमामंडन किया गया, उसके भाई दारा शिकोह का नहीं जो कि सामाजिक सद्भाव में विश्वास करने वाला व्यक्ति था। होसबाले ने कहा कि भारत के मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों को आदर्श बनाया गया। उन्होंने मुगल बादशाह अकबर का विरोध करने के लिए राजपूत राजा महाराणा प्रताप जैसी शख्सियतों की सराहना की और कहा कि जिन्होंने आक्रमणकारियों का प्रतिरोध किया, वे भी 'स्वतंत्रता सेनानी' थे। आरएसएस नेता ने दावा किया कि ''आक्रमणकारी मानसिकता'' वाले लोग भारत के लिए खतरा पैदा करते हैं। उन्होंने कहा, ''हमें उन लोगों के साथ खड़ा होना चाहिए जो भारतीय मूल्यों का समर्थन करते हैं।'' यह पूछे जाने पर कि क्या आरएसएस का मानना है कि उसे कुछ मामलों पर केंद्र को अपने विचार बताने चाहिए, होसबाले ने कहा कि इसकी कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा है। आरएसएस के सरकार्यवाह ने कहा, ''संघ सरकार को दिन-प्रतिदिन किए जाने वाले कामों के बारे में नहीं बताता है, लेकिन जब भी लोग कुछ मुद्दे उठाते हैं, तो विभिन्न संगठनों के विविध क्षेत्रों में काम करने वाले आरएसएस कार्यकर्ता अपना संदेश पहुंचाते हैं। हमारे पास एक तंत्र है जहां ऐसी चीजों पर चर्चा की जाती है।''

सुशांत सिंह राजपूत मामले में सीबीआई ने दाखिल की चार्जशीट

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले में सीबीआई ने आाज मुंबई कोर्ट में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की है। सुशांत के पिता ने रिया चक्रवर्ती के ऊपर जो आरोप लगाए थे और रिया ने जो सुशांत के परिवार पर आरोप लगाए थे। दोनों केस में क्लोजर रिपोर्ट सीबीआई ने दाखिल की है। सीबीआई ने अगस्त 2020 में सुशांत सिंह राजपूत केस को टेकओवर कर जांच शुरू की थी। 4 साल की जांच के बाद अब जाकर सीबीआई ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की है। रिपोर्ट और सूत्रों के मुताबिक, रिया और उनके परिवार को इस मामले में क्लीन चिट दे दी गई है। सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई को कोई ऐसा सबूत नहीं मिला कि किसी ने सुशांत सिंह राजपूत को सुसाइड के लिए फोर्स किया हो। सुशांत के परिवार के पास ये विकल्प है कि वो प्रोटेस्ट पेटिशन मुंबई कोर्ट में दाखिल कर सकते हैं। सीबीआई ने एम्स के एक्सपर्ट से सुशांत के के सुसाइड और फाउल प्ले केस में जांच की थी। सुशांत सिंह के सुसाइड केस में एम्स फॉरेंसिक टीम ने किसी भी तरह की फाउल प्लेस के इनकार किया था। वहीं सोशल मीडिया चैट्स को एमएलएटी जरिए जांच के लिए यूएस भेजा गया था।

दिल्ली हाई कोर्ट के जज के घर के पास मिले मलबे से जले हुए नोट बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट के एक जज के आवास के पास जले हुए नोट बरामद हुए हैं। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें जले हुए नोट दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि हालही में ये दावा किया गया था कि

● वीडियो भी सामने आया है, जिसमें जले हुए नोट दिखाई दिये

दिल्ली हाई कोर्ट के एक जज के आवास से बड़ी मात्रा में जले हुए नोट मिले।

सफाई कर्मचारी इंद्रजीत ने बताया, हम इस सर्कल में काम करते हैं। हम सड़कों से कूड़ा इकट्ठा करते हैं। हम 4-5 दिन पहले यहां सफाई कर रहे थे और कूड़ा इकट्ठा कर रहे थे,

तभी हमें 500 रुपये के जले हुए नोटों के कुछ छोटे-छोटे टुकड़े मिले। हमें उसी दिन मिले थे। अब हमें 1-2 टुकड़े मिले हैं। हमें नहीं पता कि आग कहां लगी। हम सिर्फ कूड़ा इकट्ठा करते हैं।

सफाई कर्मचारी सुरेंदर ने बताया, हम इन कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों के साथ काम करते हैं, हम कूड़ा इकट्ठा करते हैं। हमें 500 रुपये के जले हुए नोट मिले 4-5 दिन हो गए हैं। हमें अभी भी कुछ टुकड़े मिले हैं।

दरअसल जज के घर में आग लग गई थी और उस वक्त वह घर पर नहीं थे। इस दौरान पुलिस और दमकलकर्मियों ने आग तो बुझा दी लेकिन दावा किया गया कि इस घर से बड़ी संख्या में जले हुए नोट भी बरामद हुए। हालांकि नोटों का यह ढेर जलकर खाक हो चुका था। इसके बाद ये खबर तेजी से हाई कमान तक पहुंच गई और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया।

बता दें कि दिल्ली फायर सर्विस के चीफ ने कहा था कि दिल्ली हाईकोर्ट के एक जज के घर पर आग बुझाने के दौरान कोई कैश नहीं मिला। उन्होंने बताया था कि 14 मार्च की रात 11 बजकर 35 मिनट पर कंट्रोल रूम को आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों को मौके पर रवाना किया गया था। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां रात 11.43 बजे मौके पर पहुंचीं थीं। उन्होंने कहा था कि हमारे दमकल कर्मियों को आग बुझाने के अभियान के दौरान कोई कैश नहीं मिला था।

भाजपा विधायक सबनानी ने उठाया मुद्दा:पीएम आवास 6 साल तक लेट, लोग चुका रहे ब्याज

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पीएम आवास योजना के तहत भोपाल के गंगा नगर कोटरा में बन रहे मकानों का मुद्दा भाजपा विधायक भगवानदास सबनानी ने विधानसभा में उठाया। उन्होंने कहा कि शहरी पीएम आवास योजना के तहत वर्ष 2016 में प्रोजेक्ट शुरू हुआ था। लेकिन यह प्रोजेक्ट तय डेडलाइन से 6 साल पीछे चल रहा है।

जिन लोगों ने इसमें फ्लैट बुक किए हैं, उन्हें बैंक लोन की किस्त और ब्याज भरना पड़ रहा है और आवास भी नहीं मिले हैं। नगर निगम भोपाल निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रख रहा है। बाद से अब तक कुल 342 लोगों की राशि जमा कर दी है। जवाब में मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि यह गंगा नगर आवासीय परियोजना है, जिसमें 600 आवास प्रस्तावित हैं।

इसके लिए गुजरात की कंपनी एमवी ओमनी प्रोजेक्ट इंडिया लि. को काम दिया दिया गया था। उन्हें नवंबर 2018 तक काम पूरा करना था। ठेकेदार को 6 बार समय भी दिया गया। इसके बाद भी काम नहीं हुआ तो उनके एग्रीमेंट को टर्मिनेट कर दिया गया है। नई कंपनी एसआरएस इन्फ्रा को अक्टूबर 2023 में काम

दिया और इन्हें 18 महीने में पूरा काम करना है। मंत्री ने कहा कि 72 आवासों का निर्माण पूरा हो गया है और बाकी का काम दिसंबर 2025 तक पूरा हो जाएगा। उन्होंने कोविड, समय पर जमीन आवंटन न होने को भी देरी का कारण बताया।

विधानसभा में शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग समेत 30 से अधिक विभागों पर चर्चा कराए बगैर अनुदान मांगों को मंजूर कर लिया गया। विधानसभा में विनियोग विधेयक क्रमांक 2 वर्ष 2025ड्ड26 पारित कर दिया गया। इसके बाद विधानसभा की कार्यवाही सोमवार 24 मार्च को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने स्पीकर को ज्ञापन सौंपकर भाजपा उन्हें भी क्षेत्र के विकास के लिए डवलपमेंट फंड के 15-15 करोड़ रुपए की मांग की। कांग्रेस विधायकों ने कहा कि मप्र में भाजपा के विधायकों को उनके क्षेत्रों के विकास के लिए हर साल सीएम 15-15 करोड़ रुपए दे रहे हैं, लेकिन कांग्रेस विधायकों को नहीं मिल रहा है। सबनानी ने कहा कि लोग केवल निर्माण में हो रही देरी से ही परेशान नहीं है। इसके अलावा उन्हें रजिस्ट्री में 25 फीसदी की छूट नहीं दी जा रही है। इस पर तब कलेक्टर ने सूची नहीं भेजी है। उन्होंने गंगा नगर प्रोजेक्ट के साथ शहर में चल रहे ऐसे दूसरे प्रोजेक्ट की तरफ ध्यान दिलाते हुए कहा कि शहर में ऐसे 13 और प्रोजेक्ट चल रहे हैं। इनमें 12 नंबर बस स्टॉप, बाग मुगालिया एक्सटेंशन, श्याम नगर, कोकता, हिनोतिया, कलखेड़ा, मालीखेड़ी, रासलाखेड़ी आदि की स्थिति भी ऐसी ही है। उन्होंने क?हा कि इन प्रोजेक्ट का काम भी समय पर पूरा होना चाहिए।

हॉटलाइन मेंटेनेन्स करने वाले कर्मियों का भत्ता हुआ दोगुना

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देश पर मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कम्पनी (एम.पी. ट्रांसको) में एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइनों एवं सब-स्टेशनों का हॉटलाइन पद्धति से बिना शट-डाउन लिये मेंटेनेंस जॉब/ऑपरेशन करने वाले कर्मियों के भत्ते में दोगुनी बढ़ोतरी की गई है। साथ ही प्रति ऑपरेशन के लिये दिये जाने वाले भत्ते में भी दोगुनी वृद्धि कर दी गई है।

भत्ता अब दोगुना मिलेगा। पहले यह 6 रुपये से 40 रुपये के मध्य मिलता था, अब यह 12 रूपये से 80 रुपये तक प्रति जॉब/ऑपरेशन के हिसाब से मिलेगा। हॉटलाइन पद्धति के माध्यम से बिना शट-डाउन लिये एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइनों का मेंटेनेन्स जॉब करने के लिये कार्मिक की सहमति आवश्यक होती है। एम.पी. ट्रांसको द्वारा उन कार्मिकों को बैंगलुरु के केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण से प्रशिक्षण दिलवाने के बाद ही वह जॉब/ऑपरेशन के लिये पात्र होता है। जॉब/हॉटलाइन ऑपरेशन अत्यंत जोखिम भरा होने के कारण कार्मिकों को यह भत्ता दिया जाता है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर की पहल पर एम.पी ट्रांसको के कार्मिकों को हॉट लाइन मेंटेनेंस भत्ते में 2013 के बाद बढ़ोतरी की गई। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिये हैं। इसके पहले ऊर्जा मंत्री के निर्देश पर ही एम.पी. ट्रांसको में कार्यरत संविदा कार्मिकों को भी हॉटलाइन मेंटेनेन्स प्रशिक्षण देकर उन्हें भी हॉटलाइन भत्ता दिया जाता है। पहले यह सिर्फ नियमित कार्मिकों के लिए लागू था।

भोपाल में एनपीएस कर्मचारियों का प्रदर्शन 1 अप्रैल को

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम के भोपाल जिला इकाई ने आंदोलन की घोषणा की है। नई पेंशन योजना के विरोध में संगठन ने 1 अप्रैल 2025 को विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है।

कर्मचारियों की मुख्य मांग है कि पुरानी पेंशन योजना को फिर से लागू किया जाए। इस दिन सभी एनपीएस कर्मचारी काली पट्टी बांधकर अपने कार्यालयों में काम करेंगे। कर्मचारी नई पेंशन योजना का विरोध दर्ज कराएंगे। साथ ही प्रधानमंत्री और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री को पुरानी पेंशन योजना की बहाली के लिए ज्ञापन सौंपेंगे। भोपाल जिले के जिला अध्यक्ष सुरसरि प्रसाद पटेल के नेतृत्व में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

विश्व जल दिवस पर सेंट जोसेफ कोलार में जागरूकता कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सेंट जोसेफ को-एड स्कूल कोलार रोड में आज विश्व जल दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) के सदस्यों ने प्रार्थना सभा के दौरान जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला।

कैडेट्स ने एक प्रभावशाली नाटक के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। नाटक में दिखाया गया कि बढ़ते प्रदूषण से ग्लेशियर पिघल रहे हैं। यह स्थिति पृथ्वी के लिए गंभीर खतरा बन रही है। प्रदूषण से पेड़ों की जड़ें कमजोर हो रही हैं। नदियों पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। कार्यक्रम में पर्यावरण बचाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। इनमें अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना शामिल है। फैक्टरियों से होने वाले प्रदूषण को कम करने की आवश्यकता बताई गई। पेट्रोल-डीजल वाहनों के स्थान पर सीएनजी वाहनों के उपयोग पर बल दिया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर चिकित्सक डॉ. शर्मा को एयर एंबुलेंस से उपचार के लिए भेजा चेन्नई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि एम्स, भोपाल में प्राध्यापक के पद पर पदस्थ प्रो. (डॉ.) जेपी शर्मा को गंभीर अवस्था में हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान अंतर्गत %पीएमश्री एयर एंबुलेंस सेवा% के माध्यम से चेन्नई भेजा जा रहा है। वे अति गंभीर स्थिति में कन्जेस्टिव कॉर्डियक फेलियर से पीड़ित हैं, जिसमें हार्ट ट्रांसप्लांट ही अंतिम विकल्प होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. शर्मा की गंभीर स्थिति संज्ञान में आते ही, तत्काल प्रभाव से उन्हें भोपाल से चेन्नई भिजवाने के लिए %पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा% उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए गए। प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति की सेवा के लिए राज्य सरकार तत्पर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा ऐसी गंभीर स्थितियों में देवदूत सिद्ध हो रही है। गंभीर मरीजों के लिए यह सेवा संकट मोचक बन रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से डॉ. शर्मा के स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की है।

त्यौहार का सामाजिक एकजुटता में महत्वपूर्ण योगदान : राज्यमंत्री गौर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि त्योहार का सामाजिक एकजुटता में महत्वपूर्ण योगदान हैं। पर्व, त्यौहार के आयोजन से हमारी संस्कृति समृद्ध हो रही है। ये सामाजिक एकता को भी मजबूत कर रहे हैं। राज्यमंत्री श्रीमती गौर शनिवार को भानपुर भोपाल में पटेल मार्केट व्यापारी संघ द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह को संबोधित कर रही थी।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि सनातनी परंपरा अनुसार त्यौहार समाज को एकजुट रखने का काम कर रहे हैं। त्यौहारों का उल्लास, उत्साह हमारे मन और जीवन को आनंद से भर देता है। हमारे त्यौहार जीवन में तनाव को दूर कर आनंद की अनुभूति कराते हैं।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि समारोह के माध्यम से सनातन संस्कृति का सम्मान करने के लिए यहां उपस्थित सभी व्यापारी बंधुओं को होली और रंग पंचमी के पावन पर्व की बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएँ। होली मिलन समारोह में स्थानीय पार्षद श्री विकास पटेल, श्री राजू राठौर, श्री नीलेश गौर, श्री प्रकाश पटेल, श्री विनोद साहू, श्री प्रमोद गुप्ता, श्री मुकेश यादव सहित व्यापारी बंधु मौजूद रहे।

आंगनवाड़ियों में बर्तन खरीदी में गड़बड़ी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आंगनवाड़ी केंद्रों में बर्तन खरीदी में अफसरों ने हद पार कर दी। स्टील का ग्लास 162 रुपए, थाली 610 रुपए और चम्मच 38 रुपए में खरीदी गई। रीवा कमिश्नर की जांच में शुरुआत में ही गड़बड़ी सामने आ गई। सिंगरौली के जिला कार्यक्रम अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। कांग्रेस विधायक प्रताप ग्रेवाल ने इस भ्रष्टाचार को लेकर सवाल पूछा था।

महिला बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने बताया कि आदेश अनुसार सामग्री प्रदाय की प्रक्रिया जारी है और भुगतान अभी नहीं हुआ है। विधायक ने सवाल किया कि 2024-25 में आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए बर्तन खुले बाजार से कई गुना अधिक दर पर जैम पोर्टल से खरीदे गए, जिससे सरकार को नुकसान हुआ।

जिलों में यह खरीदी जिला कार्यक्रम अधिकारी एक ही फर्म से कर रहे हैं। सिंगरौली में प्रति केंद्र 30 थाली 610 रुपए की, 46500 नग ग्लास 162 रुपए में, चम्मच 38 रुपए में, 6200 नग करछुल 355 रुपए में और 3100 नग स्टील बाल्टी 1000 रु. में खरीदी। यह खरीदी दिसंबर 2024 तक जय मातादी कार्पो., बैकुंठपुर, कोरिया (छत्तीसगढ़) से की गई।

इंदौर नगर निगम को भिक्षावृत्ति मुक्त भारत योजना के पायलट प्रोजेक्ट के लिए चयन किया गया था। इसके लिए नगर निगम इंदौर को दो किस्त पर 1.5 करोड़ मिलाकर 3 करोड़ रुपए मई 2024 तक प्राप्त हो गए। इस कार्य के लिए परम पूज्य रक्षक आदिनाथ वेलफेयर एंड एजुकेशनल सोसाइटी को 1 वर्ष की अवधि की स्वीकृति दी गई थी।

कार्य की सफलता और आवश्यकता को देखते हुए कार्य में 13 माह की वृद्धि की गई थी और उसने मार्च 2024 में कार्य को पूर्ण भी कर लिया। लेकिन भुगतान के लिए शेष राशि एक करोड़ 30 लाख का परीक्षण चल रहा है, और उसके बाद भुगतान किया जाएगा। यह जानकारी नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दी।

कर्मचारी संघ ने मुख्य सचिव से की मुलाकात

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने मंत्रालय में मुख्य सचिव अनुराग जैन से मुलाकात की। बैठक में कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों पर चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने मुख्य सचिव के समक्ष अधिकारियों और कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने, केंद्र के समान महंगाई भत्ता और एरियर्स का भुगतान करने की मांग रखी। संघ के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. अनिल भार्गव ने बताया कि बैठक में भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री कुलदीप सिंह गुर्जर, महामंत्री जितेंद्र सिंह और जिला संयोजक भोपाल जितेंद्र शाक्य मौजूद रहे। महामंत्री जितेन्द्र सिंह ने सभी मांगों के अलग-अलग मांग पत्र मुख्य सचिव को सौंपे। इनमें निगम-मंडल सहित सभी कर्मचारियों को सातवें वेतनमान के अनुसार गृह भाड़ा भत्ता और अन्य भत्ते देने की मांग भी शामिल है। करीब 20 मिनट चली चर्चा में प्रत्येक मांग पर विस्तार से बात की गई और मुख्य सचिव ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया की सरकार अतिशीघ्र कुछ मांगों पर निर्णय लेगी।

अर्थ आवर में जल और ऊर्जा संरक्षण का संदेश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया द्वारा शनिवार को डीबी सिटी मॉल में अर्थ आवर का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस बैंड और नन्ही कलाकार इशिता कौर सोढ़ी ने जल एवं ऊर्जा संरक्षण का संदेश दिया। मध्य प्रदेश पुलिस के प्रतिष्ठित बैंड ने अपने शानदार प्रदर्शन से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य कार्यालय की राज्य संचालिका संगीता सक्सेना ने शहरवासियों से जल और बिजली बचाने की अपील की। उन्होंने कहा कि, जल और ऊर्जा संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है और इसके प्रति हमें गंभीरता से कदम उठाने होंगे। इस कार्यक्रम में भोपाल की उभरती हुई नन्ही कलाकार इशिता कौर सोढ़ी ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से जल एवं ऊर्जा संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने भोपालवासियों से अपील की कि वे अपने दैनिक जीवन में जल और बिजली की बचत को प्राथमिकता दें, ताकि पर्यावरण सुरक्षित रह सके। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे और उन्होंने जल व ऊर्जा संरक्षण का संकल्प लिया। अर्थ आवर एक वैश्विक पर्यावरणीय पहल है। जिसे वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर द्वारा शुरू किया गया था। यह हर साल मार्च के अंतिम शनिवार को मनाया जाता है, जिसमें दुनिया भर के लोग, संस्थान, व्यवसाय और सरकारें एक घंटे के लिए गैर-आवश्यक बिजली बंद करके जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लेते हैं। अर्थ आवर के दौरान, रात 8ः30 से 9ः30 बजे तक विश्वभर में प्रमुख स्मारकों, सरकारी भवनों, व्यवसायों और घरों की गैर-जरूरी लाइटें बंद कर दी जाती हैं। यह एक प्रतीकात्मक कदम होता है, जो यह संदेश देता है कि हमें ऊर्जा संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के समाधान के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

दाऊदी बोहरा समाज की पहल,30 से अधिक घरों में लगाया रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आज वर्ल्ड वाटर डे है। धरती पर सिर्फ ढाई प्रतिशत पानी ही पीने लायक है। इसलिए वाटर हार्वेस्टिंग जरूरी है। चाहे वह बारिश के पानी से किया जाए या फिर किसी अन्य साधन से। ऐसी ही मिसाल पेश की है भोपाल के दाऊदी बोहरा समाज ने। जहां बारिश के पानी का संचय करने के लिए घरों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए जा रहे हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य भूजल स्तर को बढ़ाना और आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी को संरक्षित करना है। बता दें कि यह पहल सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन के निर्देशों का पालन करते हुए समाज ने की है।

समाज के प्रवक्ता इब्राहिम दाऊदी ने बताया कि अब तक भोपाल में 30 से अधिक घरों में यह सिस्टम लगाया जा चुका है। इब्राहिम अली के अनुसार, हमने इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया है और इसे आगे और बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। भोपाल में बोहरा समाज के करीब 2500 घर हैं। हमारा लक्ष्य हर घर में यह सिस्टम लगाना है। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के निवासी ताहिर अली ने बताया कि 2022 में सैयदना साहब ने पानी बचाने की मुहिम चलाई थी, जिसके बाद समाज के लोगों ने इसे अपनाना शुरू किया। इससे न केवल हमारे घरों में पानी स्टोर होता है, बल्कि आसपास के बोरवेल भी रीचार्ज होते हैं। हमने इसे लंबे समय तक अपनाया है और इसके सकारात्मक परिणाम देखे हैं, उन्होंने कहा कि इसको लगाने में कोई बड़ी लागत नहीं आती है, हमें बस एक सिस्टम डिजाइन करना होता है जिससे प्लास्टिक के पाइप से पानी को जमीन में बने गड्ढे में भेजा जाता है, हमारे घर में लंबे समय से यह सिस्टम डिजाइन है।

ताहिर के मुताबिक यह कम लागत, बड़ा बदलाव अभियान के तहत है। इस सिस्टम को लगाने में ज्यादा लागत नहीं आती। इसे हर घर में आसानी से अपनाया जा सकता है।

720 करोड़ से बनी हमीदिया बिल्डिंग, पर चौथे फ्लोर के बाद न एसी और न पानी की व्यवस्था

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। गांधी मेडिकल कॉलेज के हमीदिया अस्पताल की नई 11 मंजिला इमारत में गर्मी मरीजों पर भारी पड़ रही है। 720 करोड़ की लागत से बनी इस बिल्डिंग में चौथे फ्लोर के बाद सेंट्रलाइज्ड एसी नहीं है। मरीज और परिजन उमस से जूझ रहे हैं। शुक्रवार को गांधी मेडिकल कॉलेज की 84वीं कार्यकारिणी समिति की बैठक में यह मुद्दा उठा तो अध्यक्ष भी हैरान रह गए। अधिकारियों ने बताया कि एक पूर्व अधिकारी की सलाह पर चौथी मंजिल तक ही एसी लगाने का फैसला हुआ था। तर्क दिया गया कि ऊपरी मंजिलों पर वेंटिलेशन अच्छा रहेगा और एसी की जरूरत नहीं पड़ेगी। लेकिन अब स्थिति उलट है।

पांचवीं मंजिल से ऊपर आईसीयू, ऑपरेशन थिएटर और अन्य महत्वपूर्ण विभाग हैं। यहां सिर्फ स्प्लिट एसी लगाए गए हैं। वार्डों में मरीजों को सिर्फ पंखों के भरोसे छोड़ दिया गया है। बैठक में डीएसपी में आ रही समस्या, माइक्रोबायोलॉजी विभाग में साइंटिस्ट के प्रमोशन, फायर सेफ्टी के लिए फंड और एकल पदों पर प्रमोशन सहित अन्य मुद्दों पर भी चर्चा हुई। अध्यक्ष मयंक अग्रवाल ने तत्काल पीने के पानी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। कहा कि एसी नहीं है तो वार्डों में कूलर लगाए जाएं। अधिकारियों ने बताया कि वायर लोड इतना नहीं है कि इतने कूलर का भार सह सके। अध्यक्ष ने जांच कराने की बात कही। बताया गया कि ऊपरी मंजिलों पर ठंडा पानी तक उपलब्ध नहीं है। कई बार बाथरूम में पानी न होने पर मरीजों को 10वीं और 11वीं मंजिल से उतरकर कमला नेहरू अस्पताल के सामुदायिक शौचालय तक जाना पड़ता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कार्यकारिणी अध्यक्ष ने अधिकारियों से इस चूक की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है।

स्वच्छ सर्वे शुरू...बावड़िया कलां, कोलार और शाहपुरा पहुंची टीम

स्वच्छ सर्वेक्षण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शहर की स्वच्छता की परीक्षा लेने के लिए केंद्र से स्वच्छ सर्वे टीम शुक्रवार को भोपाल पहुंची। टीम सबसे पहले कोलार एरिया में पहुंची। सुबह से ही टीम ने सर्वे शुरू कर दिया था, जो देर रात तक चला। कोलार के जोन-18 और 19 के 80 से 85 वॉर्ड तक में सर्वे किया गया। कोलार में ही करीब 10 से ज्यादा इलाकों में टीम ने केंद्र से मिले टारगेट पर पैमानों को परखा। इसके बाद जोन-6 के शाहपुरा, बावड़िया कलां इलाकों समेत 20 से ज्यादा जगहों में देर रात तक सर्वे किया। टीम के सदस्य कहीं पेंटिंग, तो कहीं फाउंटेन के फोटो खींचते नजर आए। टीम राजभवन के आसपास के इलाकों में भी पहुंची।

बस और सफारी कार की टक्कर, तीन लोग घायल, भैसरहा पेट्रोल पंप के पास हादसा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रीवा-शहडोल मार्ग पर भैसरहा पेट्रोल पंप के पास रविवार दोपहर 3.30 बजे बस और सफारी गाड़ी में आमने-सामने की टक्कर हो गई।

हादसा तब हुआ जब सफारी गाड़ी पेट्रोल भरवाने के बाद पेट्रोल पंप से बाहर निकल रही थी। तेज रफ्तार में आ रही बस सफारी से टकरा गई। टक्कर में बस का अगला हिस्सा और सफारी गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

सफारी चालक रमेश जायसवाल को सिर में चोट आई है। उन्हें रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस में सवार महेंद्र तिवारी और हरेंद्र कुशवाहा भी घायल हुए हैं। अन्य यात्रियों को मामूली चोटें आईं। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

पिपराव पुलिस चौकी प्रभारी एसआई शेषमणि मिश्रा टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घायलों को 108 एम्बुलेंस से रामपुर नैकिन अस्पताल भेजा गया। पुलिस बिना नंबर प्लेट वाली सफारी और दुर्घटना की जांच कर रही है।

हादसे के बाद रीवा-शहडोल मार्ग पर कुछ समय तक यातायात बाधित रहा। स्थानीय लोगों ने घायलों की मदद की और यातायात सुचारु करने में पुलिस का सहयोग किया। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है।

बसों और लोडिंग गाड़ियों की फिटनेस जांच

सिंगरौली आरटीओ के उड़दस्ता ने देखे खिड़की, दरवाजे और पैनिक बटन, नियमों के उल्लंघन पर वसूला जुर्माना

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले में सड़क हादसों को रोकने के लिए आरटीओ विभाग का उड़न दस्ता कसर गेट से खनहना तक लगातार जांच कर रही है। टीम मुख्य रूप से यात्री बसों में आपातकालीन खिड़की, दरवाजे, पैनिक बटन और किराया सूची की जांच कर रही है। साथ ही, मालवाहक वाहनों की भी जांच की जा रही है।

चेक पॉइंट प्रभारी अनिमेष जैन के नेतृत्व में उड़न दस्ता टीम कसर गेट से खनहना तक लगातार जांच कर रही है। अनिमेष जैन ने बताया कि बस चालकों को निर्देश दिए जा रहे हैं। इनमें बस के ब्रेक और टायर की नियमित जांच, क्षमता से अधिक सवारी न बैठाना, निर्धारित किराए का पालन करना शामिल है। चालकों को वायु प्रदूषण सहित अन्य जरूरी दस्तावेज साथ रखने की भी हिदायत दी जा रही है।

इस विशेष अभियान में अब तक 5 लाख रुपए का राजस्व वसूला जा चुका है, जिसे शासकीय कोषालय में जमा करवाया गया है। विभाग ने साफ किया है कि यह कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि वे अपने वाहन का नियमित रखरखाव करें और सभी जरूरी दस्तावेज साथ रखें।

गांजा बेचते एक आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने 650 ग्राम नशीला पदार्थ जब्त किया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के कुसमी थाना पुलिस ने मेडरा गांव में रविवार को एक व्यक्ति को गांजा बेचते हुए गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 650 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। इसकी कीमत बाजार में 11 हजार रुपए से अधिक है। मुखबिर से मिली सूचना के बाद कुसमी थाना प्रभारी भूपेश कुमार बैस ने कार्रवाई की। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम बनाई गई। टीम ने मेडरा गांव निवासी देवचरण यादव के घर पर छापा मारा।

60 वर्षीय देवचरण अपने घर से ही गांजा बेच रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पूछताछ में कुछ जानकारी मिली है। इस आधार पर आगे की जांच की जा रही है।

इस कार्रवाई में प्रधान आरक्षक नंद प्रकाश सिंह, रामेश्वर सिंह, कमलेश प्रजापति समेत आरक्षक दिनेश सिंह, दिनकर द्विवेदी, पंकज सिंह और शिवराम वैश्य शामिल थे। क्षेत्र में लगातार हो रही छापेमारी से नशा तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है।

खूंटा उखाड़ने के शक में दंपती को लाठी-डंडों से पीटा, तीन लोगों पर केस दर्ज, सीधी जिले के माटा गांव की घटना

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के माटा गांव में केवट दंपती पर दबंगों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। घटना का वीडियो रविवार को सामने आया। पीड़ित परिवार ने मझौली थाने में शिकायत की है। पुलिस ने धारा 155 के तहत मामूली अपराध दर्ज किया है। पीड़ित बबलू केवट ने बताया कि भीमसेन मिश्रा, पप्पू मिश्रा और मोहित मिश्रा ने उन्हें और रामकृपाल केवट को लाठी-डंडों से पीटा। आरोपियों ने पुरानी रंजिश और खूंटा उखाड़ने के शक में यह हमला किया।

पीड़ित परिवार का कहना है कि इससे पहले भी दबंगों ने उनके साथ मारपीट की थी। पुलिस के सख्त कार्रवाई नहीं करने से आरोपी बेखौफ हैं। थाना प्रभारी से शिकायत के बाद भी कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई है। पीड़ितों का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। परिवार का आरोप है कि आरोपी दबंगों को राजनीतिक समर्थन प्राप्त है। इसी कारण पुलिस उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने से बच रही है। यह घटना तीन दिन पुरानी बताई जा रही है।

न्याय के लिए भटक रहा परिवार: पीड़ित परिवार का कहना है कि उन्हें लगातार धमकियां दी जा रही हैं। वे खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी और कठोर कार्रवाई की मांग की है। वहीं इस घटना के बाद गांव में भी भय का माहौल बना हुआ है।

प्रशासन से न्याय की मांग: पीड़ित परिवार ने मुख्यमंत्री और उच्च अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है, ताकि दोषियों को जल्द से जल्द सजा मिल सके और भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों। थाना प्रभारी मझौली दीपक सिंह बघेला ने बताया कि दोनों पक्षों में विवाद हुआ था जहां धारा 155 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया था और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

6 पिकअप से 23 मवेशी मिले

दो पिकअप पलटे, अमलाई पुलिस ने की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल के अमलाई थाना क्षेत्र में पुलिस ने मवेशी तस्करी का खुलासा हुआ है। रामपुर गिरवा हाईवे पर पुलिस की नाकेबंदी के दौरान 6 पिकअप वाहनों से 23 मवेशियों को बरामद किया गया है।

पुलिस ने अनूपपुर की तरफ से आ रहे संदिग्ध वाहनों को रोकने के लिए नाकेबंदी की थी। पुलिस को देखते ही सभी वाहन चालकों ने तेजी से भागने का प्रयास किया। इस दौरान दो पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गए। सभी चालक मौके से फरार होने में सफल रहे।

अमलाई थाना प्रभारी जयप्रकाश शर्मा के अनुसार सभी 6 वाहनों की तलाशी में 23 मवेशी बरामद किए गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। एसपी रामजी श्रीवास्तव के निर्देशन में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले जैतपुर में वन विभाग ने मवेशी तस्करी में लिप्त दो पिकअप वाहन जब्त किए थे। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार भी किया गया था। क्षेत्र में मवेशी तस्करी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

पुलिस पर पथराव के चार आरोपी गिरफ्तार

ज्वेलरी चोर की तलाश के दौरान आरोपियों ने किया था हमला

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल में रविवार को पुलिस पर पथराव के चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सराफा व्यापारियों पर हुए गोलीकांड के आरोपियों की तलाश में बुढ़ार पुलिस बीते शुक्रवार रात करीब 11 बजे ईरानी बाड़ा गई थी। पुलिस को सूचना मिली थी कि गोलीकांड में इस्तेमाल किया गया वाहन यहां देखा गया है। पथराव में महिला कॉन्स्टेबल समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

मामले में गिरफ्तार आरोपी फिरोज अली जाफरी, खानू अली, मनोहर अली और सादिर अली शामिल हैं। पुलिस ने कुल 18 लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है। थाना प्रभारी संजय जायसवाल के अनुसार, शेष फरार आरोपियों की तलाश के लिए टीमें विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर रही हैं।

गौरतलब है कि मूल आरोपी यूसुफ और तौहीद कई राज्यों में ज्वेलरी चोरी के मामलों में वांछित हैं। मध्य प्रदेश के अलावा उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान की पुलिस भी इन दोनों की तलाश कर रही है।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना में युवाओं के पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च

सीधी। प्राचार्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था ने जानकारी देकर बताया है कि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) का उद्देश्य युवाओं को भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में इंटर्नशिप के अवसर प्रदान कर रोजगारपरक बनाना है। जिससे युवाओं को वास्तविक कार्यानुभव प्राप्त हो सके और व्यावसायिक कौशल में वृद्धि हो। योजना में 21 वर्ष से 24 वर्ष आयु के युवा जिनकी शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं, आईटीआई, पॉलीटेक्निक या प्रिवारातक किये हैं और वे किसी अप्रेन्टिस या पूर्णकालिक रोजगार में न हो, ऐसे युवा पंजीयन कर सकते हैं। चयनित युवाओं को इंटर्नशिप की अवधि में 5000 रूपये प्रति माह स्टायपेंड और एकमुश्त 6000 रूपये की राशि प्रदान की जायेगी।

50 लाख की सरकारी जमीन खाली कराई

हाईकोर्ट के आदेश पर नगर निगम ने चलाया बुलडोजर

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। मप्र हाई कोर्ट के आदेश पर सिंगरौली नगर निगम ने वार्ड नंबर 31 ढोटी में करीब 50 लाख रुपए की सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाया।

नगर निगम आयुक्त डीके शर्मा ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन की इस जमीन पर लंबे समय से कुछ लोगों ने कब्जा कर रखा था। अतिक्रमण कारियों को कई बार नोटिस दिया गया। नोटिस के बावजूद कब्जा नहीं हटाने पर नगर निगम अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

इस स्थान पर नगर निगम की करीब 1 करोड़ रुपए की भूमि है। इसमें से 50 लाख रुपए कीमत की जमीन पर अवैध कब्जा था। कार्रवाई के दौरान एसडीएम सजन वर्मा, आयुक्त डी.के. शर्मा, तहसीलदार सविता यादव और विंध्यनगर थाना प्रभारी अर्चना द्विवेदी मौजूद रहे।

मार्च में यह निगम की दूसरी बड़ी कार्रवाई है। इससे पहले बेलौजी इलाके में आधा दर्जन से ज्यादा पक्के मकान तोड़े गए थे। ये मकान लंबे समय से सरकारी जमीन पर बने हुए थे। पहली कार्रवाई में निगम ने करीब 20 करोड़ रुपए कीमत की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया था।

जंगल में लगी आग, तीन सुरक्षा श्रमिक झुलसे

तीनो जिला अस्पताल में भर्ती, आग लगने का कारण पता नहीं चला

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना रेंज के झलाई प्लांटेशन में रविवार को आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि देखते ही देखते बेकाबू हो गई। आग काबू करने की कोशिश में तीन सुरक्षा श्रमिक बुरी तरह झुलस गए।

इन श्रमिकों में कपूर सिंह यादव (55 वर्ष), हरि सिंह यादव (60 वर्ष) और राजेंद्र सिंह यादव (50 वर्ष) शामिल हैं। तीनों ने किसी तरह अपनी जान बचाई और मौके से भागने में सफल रहे।

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने तुरंत घायल श्रमिकों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। वर्तमान में तीनों का इलाज जारी है। वन विभाग की टीम जंगल में फैली आग को बुझाने में जुटी हुई है।

पन्ना जिले में यह पहली घटना है जो जंगल में आग लगने की श्रृंखला की शुरुआत को दर्शाती है। वन विभाग के अधिकारी आग लगने के कारणों की जांच कर रहे हैं।

सिंगरौली के सोन घड़ियाल अभयारण्य में अवैध रेत खनन, नौडिहवा पुलिस ने रेत से भरा ट्रैक्टर पकड़ा, ड्राइवर के पास नहीं मिले दस्तावेज

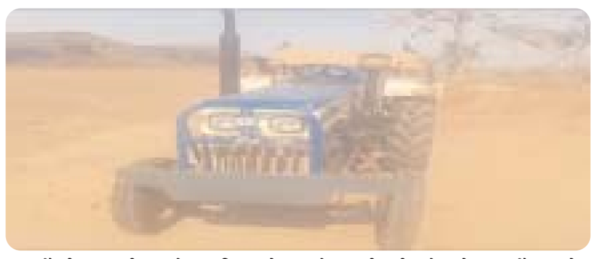

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के चितरंगी क्षेत्र में सोन नदी से अवैध रेत खनन का मामला सामने आया है। नौडिहवा चौकी पुलिस ने रेत से भरे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। सोन नदी में रेत निकासी और खनन पर पूर्ण प्रतिबंध है। यह क्षेत्र सोन घड़ियाल अभयारण्य से सटा हुआ है। फिर भी यहां लगातार अवैध खनन की शिकायतें मिल रही थीं।

चौकी प्रभारी मनोज सिंह के अनुसार, बडरम गांव से गुजरने वाली सोन नदी की ओर से एक ट्रैक्टर रेत लेकर आ रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस टीम को तमई गांव की सड़क पर तैनात किया गया। जब ट्रैक्टर वहां से गुजरा, तो उसे रोका गया। ट्रैक्टर चालक अभिषेक सिंह से जब दस्तावेज मांगे गए तो वह कोई कागजात नहीं दिखा सका। इस पर पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर चौकी में खड़ा करवा दिया। मामले में अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई के लिए खनिज विभाग को सूचित कर दिया गया है।

ईआरओ, डीईओ, सीईओ स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ जमीनी स्तर की बैठकें जारी

बैठकों में राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। देश भर में 4,123 ईआरओ अपने-अपने विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों (एसी) में मतदान केंद्र स्तर पर लंबित किसी भी मुद्दे का समाधान करने के लिए सर्वदलीय बैठकें कर रहे हैं। इसी तरह, सभी 28 राज्यों और 8 संघ राज्य-क्षेत्रों के सभी 788 जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) और 36 सीईओ को जिला और राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र स्तर पर ऐसी बैठकों का आयोजन करने तथा लंबित मुद्दों का समाधान लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम 1960, निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 में निर्धारित कानूनी ढांचे और आयोग द्वारा समय-समय पर जारी मैनुअल, दिशा-निर्देशों और अनुदेशों के भीतर करने का निदेश दिया गया है। राष्ट्रीय/राज्यीय राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी के साथ ये बैठकें पहले ही शुरू हो चुकी हैं। ऐसी सभी बैठकें पूरे देश में प्रत्येक विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र, जिले और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में 31 मार्च, 2025 तक पूरी कर ली जाएंगी।

यह कदम आयोग द्वारा 4 मार्च, 2025 को आईआईआईडीईएम, नई दिल्ली में आयोजित सभी राज्यों/संघ राज्य-क्षेत्रों के सीईओ और प्रत्येक राज्य से एक डीईओ और ईआरओ की भागीदारी वाले सम्मेलन के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में तथा निर्वाचन आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधु और डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में दिए गए निदेशों के अनुरूप है। राजनीतिक दलों और उनके अधिकृत प्रतिनिधियों जैसे बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए), पोलिंग एजेंटों, काउंटिंग एजेंटों और चुनाव एजेंटों की चुनाव संचालन सहित विभिन्न चुनावी प्रक्रियाओं में विशिष्ट भूमिकाएं होती हैं।

शहडोल में पति ने जलाई दहेज की गाड़ी

मां की तबीयत खराब होने पर मायके पहुंची थी पत्नी, 100 किमी दूर जाकर दिया घटना को अंजाम

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के अमलाई में शनिवार रात एक पति ने गुस्से में अपनी पत्नी को दहेज में मिली बोलेरो को जला दिया। यह घटना खमरौध गांव में हुई। दिनेश सिंह की शादी पुष्पांजलि सिंह से 2021 में हुई थी। दोनों सीधी थाना क्षेत्र के दादर गांव में रहते थे। शादी में पुष्पांजलि को दहेज में एक बोलेरो मिली थी।

पुष्पांजलि की मां की तबीयत अचानक खराब हो गई। उन्होंने फोन पर बेटी को सूचना दी। पुष्पांजलि ने पति से संपर्क करने की कोशिश की। पति काम में व्यस्त होने के कारण बात नहीं हो पाई। इसके बाद वह घर के अन्य सदस्यों को बताकर अपने दोनों बच्चों के साथ ड्राइवर की मदद से बोलेरो में मायके चली गई।

पत्नी के बिना सूचना दिए जाने से नाराज पति बाइक से 100 किलोमीटर दूर ससुराल पहुंचा। वहां पहुंचते ही उसने बोलेरो में आग लगा दी। अमलाई थाना प्रभारी जयप्रकाश शर्मा के अनुसार महिला की शिकायत पर पति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बोनस के साथ 2600 रुपये में खरीदा जाएगा किसानो से गेहूँ

सीधी। जिला आपूर्ति अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि शासन द्वारा रबी उपार्जन वर्ष 2025-26 के लिए गेहूँ का समर्थन मूल्य 2425 रूपये तथा सरकार द्वारा घोषित बोनस 175 रूपये प्रति क्वि. के साथ किसानों से कुल 2600 रूपये प्रति क्वि. की दर से गेहूँ के उपार्जन का कार्य किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन जारी है। पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 तक निर्धारित की गई है। एमपी किसान एप, ई-उपार्जन पोर्टल तथा मोबाइल, कम्प्यूटर, समिति के पंजीयन केन्द्र तथा ग्राम पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र में पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था की गई है।

विचार

बंगाल की सभी सीटों पर संगठन को मजबूत करेगी कांग्रेस

कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने हाल ही में पश्चिम बंगाल कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक कर उन्हें राज्य की सभी 294 विधानसभा सीटों पर संगठन को मजबूत करने का टास्क दे दिया है। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के नेताओं को पश्चिम बंगाल में जनाधार और संगठन को मजबूत करने की सलाह दी है।

दिल्ली के कांग्रेस मुख्यालय %इंदिरा भवन% में बुधवार को खरगे की अध्यक्षता और राहुल गांधी एवं केसी वेणुगोपाल की मौजूदगी में हुई बैठक में पश्चिम बंगाल कांग्रेस के प्रभारी गुलाम अहमद मीर, पश्चिम बंगाल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शुभांकर सरकार, वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी और दीपा दासमुंशी सहित बंगाल कांग्रेस के कई अन्य बड़े नेता शामिल हुए।

पश्चिम बंगाल में राज्य की सभी 294 विधानसभा सीटों पर संगठन को मजबूत बनाने की कांग्रेस की कवायद के साथ ही यह बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि इससे सबसे ज्यादा नुकसान किसको होगा ? क्या कांग्रेस के मजबूत होने का खामियाजा पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस और राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उठाना पड़ेगा ? या फिर कांग्रेस की मजबूती से भाजपा को नुकसान उठाना पड़ेगा,जो ममता बनर्जी विरोधी मतों के सहारे राज्य में विधानसभा चुनाव जीतने की रणनीति पर काम कर रही है।

इसके लिए हमें वर्ष 2016 और वर्ष 2021 में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों पर गौर करना पड़ेगा। वर्ष 2016 में पश्चिम बंगाल में राज्य की सभी 294 सीटों पर हुए विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी ने 45.6 प्रतिशत वोट हासिल कर राज्य की 211 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वर्ष 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी को वोट भी ज्यादा मिले और सीटों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई। 2021 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में 48.5 प्रतिशत वोट हासिल कर टीएमसी ने 213 सीटों पर कब्जा जमाया था। बीजेपी के प्रदर्शन की बात करें तो 2016 में राज्य की 291 सीटों पर चुनाव लड़ने के बावजूद पार्टी के खाते में सिर्फ 3 सीटें ही आ पाई थी और मत भी 10.3 प्रतिशत ही मिल पाया था। वहीं उस चुनाव में लेफ्ट पार्टियों के साथ मिलकर लड़ी कांग्रेस ने 12.4 प्रतिशत मत के साथ 44 सीटें जीती थी। 2021 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का पश्चिम बंगाल में प्रदर्शन सबसे ज्यादा शर्मनाक रहा। जबकि भाजपा के शानदार प्रदर्शन ने राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया। पिछले चुनाव में कांग्रेस का मत प्रतिशत 12.4 प्रतिशत से घटकर महज 3 प्रतिशत रह गया और पार्टी के खाते में एक भी सीट नहीं आ पाई।

आखिर कब समझेंगे अपनी जिमेदारी ?

समकालीन लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत सिलसिलेवार ढंग से जो संवैधानिक ड्रामा रचाया जा रहा या चल रहा है, इसके लिए सिर्फ और सिर्फ हमारी संसद जिमेदार है, योंकि जनहित में प्रभावशाली कानून बनाने का जिमा उसी के ऊपर है। यदि उसने इस मामले में अबतक किसी तरह की कोई लापरवाही बरती है तो यह जन-बहस का मुद्दा है। इसलिए कुछ सुलगता हुआ सवाल यहां पर प्रासंगिक है! लेकिन जब हम संसद की बात करते हैं तो इसकी सीधी जिमेदारी साापक्ष और विपक्ष के जनप्रतिनिधियों और उनके समूह की होती है। योंकि साा की अदलाबदली प्रायः इन्हीं के बीच होती रहती है। संसद के अलावा, हमारी सिविल सोसाइटी, मीडिया मठाधीश, अधिवक्तागण, शिक्षाविद, प्रबुद्ध कारोबारी तबका एवं विभिन्न प्रकार के लोकतांत्रिक दबाव समूह भी इस स्थिति के लिए सामूहिक रूप से जिमेदार हैं, योंकि भले ही इनके पास कोई संवैधानिक शक्ति नहीं है या फिर अलग-अलग प्रकार की कानूनी सहूलियत प्राप्त है, लेकिन जनमत निर्माण में इनकी बहुत बड़ी भूमिका रहती आई है।

दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि समाज का यह जागरूक तबका और उनका जेबी संगठन राजनीतिक रूप से दलित–महादलित, ओबीसी–एमबीसी, सवर्ण–गरीब सवर्ण, अल्पसंख्यक–बहुसंख्यक, आदिवासी–आर्य, अकलियत–पसमांदा, भाषा–क्षेत्र, अमीर––गरीब आदि विभिन्न गुटों में बंटा हुआ है, जो आभिजात्य वर्गीय सोच की हिफाजत का टूल्स बना दिया गया है।

वहीं, संसद द्वारा सही कानून बनवाने और बनाए हुए कानूनों को लागू करवाने में नौकरशाही की बड़ी भूमिका रहती है। जबकि इन कानूनों की न्यायसम्मत समीक्षा करने और मतभेद या विवाद की स्थिति में अंतिम निर्णय देने की जिम्मेदारी न्यायपालिका की है, जहां वकीलों की दलील के आधार पर किसी अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचा जाता है। खास बात यह कि हमारी नौकरशाही के प्रशासनिक विवेक और न्यायपालिका के न्यायिक विवेक पर भी कोई सवाल उसी तरह से नहीं उठाया जा सकता है, जिस तरह से विधायिका के विधायी व प्रशासनिक विवेक और मीडिया के संपादकीय विवेक को मान्यता एवं संरक्षण प्राप्त है।

कहने का तातपर्य यह कि किसी भी लोकतंत्र की सफलता के लिए विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया का जागरूक और निष्पक्ष होना पहली शर्त है। मौजूदा दौर में धनपशुओं से सहयोग प्राप्त सिविल सोसाइटी यानी समाजपालिका भी बहुत ताकतवर होकर उभरी है और सत्ता परिवर्तन में मुख्य भूमिका निभा रही है। हालांकि, इसके संकीर्ण सोच से भी समाज दिग्भ्रमित हुआ है।

आमतौर पर राजतंत्रीय सोच और सामंती विचारों से हमारा मौजूदा लोकतंत्र भी संक्रमित हो चुका है। तभी तो भूमि संपदा, मौद्रिक संपदा और स्वर्ण संपदा बनाने की होड़ हमारे माननीयों में मची रहती है। वहीं जो ज्ञान संपदा के धनी हैं, वे भी भूमि संपदा, मौद्रिक संपदा और स्वर्ण संपदा बनाने की होड़ में शामिल हो चुके हैं। अफसोस की बात यह है कि हमारा लोकतंत्र और संविधान ही इनकी अवैध और अकूत कमाई का हथकंडा बन चुका है और उच्चपदस्थ लोग इनके खिलाफ एकजूट नहीं हो रहे हैं।

यही वजह है कि जनता दिन–ब–दिन गरीब और उसके शासक लगातार अमीर होते जा रहे हैं। इनके अवैध धन से कहीं आतंकवादी, तो कहीं नक्सली व उग्रवादी फलफूल रहे हैं। भ्रष्टाचार, तस्करी, तबादला उद्योग, जघन्य हिंसा–प्रतिहिंसा आदि मानवता विरोधी नीतियों या कार्यों पर निर्णायक चेक एंड बैलेंस का विगत 8 दशकों में भी नहीं बनना इस पूरी व्यवस्था के लिए कलंक की बात है। आखिर अनवरत सांप्रदायिक दंगों और राजकोषीय लूट के लिए हमारी संसद नहीं तो कौन जिम्मेदार है, यक्ष प्रश्न है।

कम्पनी, फर्म, ट्रस्ट, एनजीओ आदि को अलग इकाई मानना और उनके दिवालिया व विफल होने पर उनके संचालकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई न होना, उनकी या उनसे लाभान्वित लोगों की अन्य सम्पत्तियों तक प्रशासनिक आंच का नहीं पहुंचना हमारी नीतिगत विफलता नहीं तो क्या है? आज भू–सम्पदाओं में जो धोखाधड़ी मची हुई है, मौद्रिक क्षेत्र में डिजिटल धोखाधड़ी लगातार बढ़ रही है, इसके लिए प्रशासनिक जवाबदेही कौन सुनिश्चित करेगा।

अनुभव बताता है कि पुलिसिया भ्रष्टाचार, तहसील कदाचार, न्यायिक जुल्म व लेटलतीफी, प्रशासनिक पक्षपात, सियासी अनैतिकता से समूचा समाज भयाक्रांत और परेशान है, लेकिन हमारे माननीयों को अपनी जिम्मेदारियों का एहसास नहीं है। या वैसा कोई सजग व्यक्ति या समूह भी नहीं है जो इन लोकतांत्रिक महावीरों को उनकी मौलिक शक्ति का एहसास दिलाए।

सवाल किसी जज की कोठी में भारी मात्रा में नोटों के मिलने का नहीं है और न ही उसके खिलाफ लीपापोती वाली प्रक्रिया शुरू करने का है, बल्कि सुलगता हुआ सवाल यह है कि व्यवस्था के ऐसे जिम्मेदार तत्वों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने में हमारी संवैधानिक व्यवस्था कितनी असहाय प्रतीत होती आई है और आज तक उसका सार्थक और सकारात्मक हल नहीं ढूंढा जा सका है। आपने देखा सुना होगा कि देश को लूटने वाले विदेशों में बस रहे हैं। ऐसे लोग हमारी कानूनी खामियों का फायदा उठाकर विदेशों में मौज कर रहे हैं, क्योंकि उनको परोक्ष सियासी शह व सहूलियत दोनों प्राप्त है। ऐसे में यक्ष प्रश्न यह है कि यदि मौजूदा लोकतांत्रिक व संवैधानिक व्यवस्था जनता की सुख–शांति–समृद्धि सुनिश्चित नहीं कर सकती हैं तो फिर उसके होने या न होने का क्या मतलब रह जाता है। इस नजरिए से आधुनिक लोकतंत्र भी अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है और पूंजीपतियों के नेतृत्व वाली नई विश्व व्यवस्था आकार ले रही है, जिससे आमलोगों की त्रासदी और बढ़ेगी!

किसानों को लेकर कांग्रेस और 'आप' के बीच मतभेद उभर

पंजाब पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारी किसानों पर की गई कार्रवाई के मद्देनजर प्रमुख 'इंडिया' ब्लॉक पार्टियों कांग्रेस और 'आप' के बीच संबंधों में मतभेद बढ़ गए हैं जिसमें कांग्रेस ने 'आप' के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के साथ–साथ भाजपा शासित केंद्र को भी कटघरे में खड़ा करने की पूरी कोशिश की है। सरवन सिंह पंधेर और जगजीत सिंह डल्लेवाल सहित कई किसान नेताओं को केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक से लौटते समय मोहाली में हिरासत में लिया गया। पंजाब पुलिस ने शंभू और खनौरी बार्डर स्थलों से किसानों को हटाया जो एक साल से अधिक समय से अवरुद्ध थे। कांग्रेस और संयुक्त किसान मोर्चा 'एस.के.एम.' ने गुरुवार को आरोप लगाया कि 'आप' और भाजपा ने कई कृषि नेताओं को हिरासत में लेने के बाद किसानों के खिलाफ हाथ मिला लिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर लिखा, ''ऐसा लगता है कि देश के अन्नदाताओं के खिलाफ दो किसान विरोधी पार्टियों ने हाथ मिला लिया है।''

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय का दौरा = प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 मार्च को महाराष्ट्र के नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय का दौरा करेंगे, जो 2014 में पदभार ग्रहण करने के बाद उनका पहला दौरा होगा। अपने दौरे के दौरान, मोदी आर.एस.एस. समर्थित संस्थान माधव नेत्रालय नेत्र संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र में एक विस्तार परियोजना की आधारशिला रखेंगे। दूसरी ओर,मोदी और संघ नेताओं के बीच बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भाजपा को जल्द ही एक नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलने वाला है जो इस साल शुरू होने वाले अगले दौर के राज्य चुनावों में पार्टी का नेतृत्व करेगा। आम चुनाव के बाद से भाजपा और आर.एस.एस. के बीच संबंध तनावपूर्ण हैं, जहां मोदी के नारे, 'अबकी बार चार सौ पार' को अति आत्मविश्वास के रूप में देखा गया था। भाजपा बहुमत से चूक गई। तब से, संबंधों को सुधारने के प्रयास किए जा रहे हैं। हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में चुनावों से पहले भाजपा नेतृत्व ने आर.एस.एस. के साथ कई बैठकें कीं, जहां समन्वित प्रयासों ने जीत में योगदान दिया। हाल के दिनों में, पी.एम. ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रशंसा की है,राष्ट्रीय मुद्दों के प्रति इसकी प्रतिबद्धता और इसके स्वयंसेवकों के समर्पण की सराहना की है। सूत्रों के अनुसार, मोदी की टिप्पणी उनकी पसंद के भाजपा अध्यक्ष के लिए समर्थन हासिल करने का संकेत हो सकती है।

अमित शाह का बिहार दौरा = पटना में राजनीतिक माहौल गरमा रहा है क्योंकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस महीने के अंत में बिहार में एन.डी.ए. नेताओं से मिलने आ सकते हैं। इस बैठक में इस साल अक्तूबर–नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए रणनीति तैयार करने पर जोर दिया जा सकता है। शाह चुनिंदा तौर पर राज्य के भाजपा नेताओं और कार्यकर्त्ताओं से भी मिलेंगे। अमित शाह का यह दौरा इस बात के मद्देनजर महत्वपूर्ण है कि उन्होंने हाल ही में घोषणा की थी कि वह बिहार में डेरा डालेंगे और चुनाव अभियान की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करेंगे। शशि थरूर द्वारा पी.एम. मोदी की प्रशंसा = कांग्रेस सांसद शशि थरूर द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना ने वास्तव में कांग्रेस और राहुल गांधी को एक शर्मनाक स्थिति में डाल दिया है क्योंकि भाजपा ने कांग्रेस और उसके नेतृत्व पर निशाना साधा है।

मंगलवार को नई दिल्ली में रायसीना डायलॉग में 'शांति कायम करना, पीछे मुड़कर देखना और आगे देखना' शीर्षक से एक संवादात्मक सत्र के दौरान, थरूर ने कहा,''मैं अभी भी अपने चेहरे से अंडे पोंछ रहा हूं क्योंकि मैं संसदीय बहस में एकमात्र व्यक्ति हूं जिसने वास्तव में फरवरी 2022 में उस समय भारतीय स्थिति की आलोचना की थी।''

मुस्लिम आरक्षण के मोह नहीं छोड़ पा रही कांग्रेस पार्टी

योगेंद्र योगी

कांग्रेस ने शायद ठान ली है कि चाहे कुछ भी कीमत क्यों न चुकानी पड़े पर वोट बैंक के लिए मुसलमानों से प्रेम कम नहीं होने वाला। ऐसे ही कारणों से कांग्रेस न सिर्फ केंद्र की सत्ता से बल्कि ज्यादातर राज्यों में भी सत्ता से बाहर है। दूसरे शब्दों में कहें तो कांग्रेस के कथित मुस्लिम प्रेम ने भारतीय जनता पार्टी का सत्ता का रास्ता आसान कर दिया। कांग्रेस की इस नीति ने खुद को तो दरबदर कर ही दिया, इससे देश के मुसलमानों को नुकसान पहुंचाया। मुसलमानों को बेवजह देश के प्रति वफादारी जाहिर करने पर मजबूर होना पड़ा। भाजपा ने कांग्रेस के जरिए मुसलमानों को भी घेरने में कसर बाकी नहीं रखी। ऐसे में बेवजह राजनीति में घसीटे गए मुसलमानों की मुश्किलें बढ़ गई। मुसलमान कांग्रेस के दिखावटी वोट प्रेम का विरोध नहीं कर सके और भाजपा के निशाने पर आ गए। कांग्रेस ने कर्नाटक में मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण देकर फिर से विवाद खड़ा कर दिया। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस वाकई मुसलमानों का भला चाहती हो, यदि ऐसा ही होता तो मुस्लिम आबादी का बड़ा तबका आज देश के विकास में आगे होता। जबकि लंबे वक्त तक देश में कांग्रेस का शासन रहा है। कर्नाटक सरकार ने सरकारी टेंडर में अब टेंडर भरने वाले मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण दे दिया। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कैबिनेट मीटिंग इस प्रस्ताव को मंजूर भी कर लिया। इससे एक करोड़ रुपये तक की निविदाओं में मुस्लिम ठेकेदारों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण का रास्ता साफ हो गया। कांग्रेस के इस फैसले से राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया। कर्नाटक सरकार के इस निर्णय ने भाजपा को कांग्रेस और मुसलमानों के खिलाफ फिर से नया हथियार थमा दिया। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया है। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कर्नाटक सरकार द्वारा मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव राहुल गांधी के पूर्ण संरक्षण में पारित किया गया है। हम यह पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता पर निशाना साधते हुए प्रसाद ने कहा कि कर्नाटक सरकार का कदम राहुल गांधी की मानसिकता को दर्शाता है। ऐसा नहीं है कि कर्नाटक के जरिए देशभर के मुसलमानों के प्रति मोहब्बत दर्शाने का कांग्रेस का यह पहला मौका है, इससे पहले भी कर्नाटक में मुस्लिमों के आरक्षण को लेकर विवाद रहा है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने आरक्षण का लाभ देने के लिए मुसलमानों को पिछड़ा वर्ग की लिस्ट में शामिल किया था। सरकार ने मुसलमानों को ओबीसी लिस्ट में जगह दी। हालांकि, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने सरकार के इस फैसले की आलोचना की थी। आयोग ने कहा था कि इस फैसले ने सामाजिक न्याय के सिद्धांत को कमजोर कर दिया है। साल 2011 की जनगणना के मुताबिक, कर्नाटक राज्य में मुस्लिम की जनसंख्या 12.32 फीसदी है और उसे राज्य में अल्पसंख्यक समुदाय का दर्जा हासिल है। मध्य प्रदेश की चुनावी रैली के दौरान पीएम मोदी ने कांग्रेस को ओबीसी समुदाय का सबसे बड़ा दुश्मन करार देते हुए कहा था कि एक बार फिर कांग्रेस ने पिछले दरवाजे से ओबीसी के साथ सभी मुस्लिम जातियों को शामिल करके कर्नाटक में धार्मिक आधार पर आरक्षण दिया है। विवाद बढ़ा तो कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि यह दावा करना कि कांग्रेस ने पिछड़े वर्गों से मुसलमानों को आरक्षण ट्रांसफर कर दिया, एक सरासर झूठ है। उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या पूर्व प्रधानमंत्री

देवेगौड़ा अभी भी मुसलमानों के लिए कोटा के अपने समर्थन पर कायम हैं या नरेंद्र मोदी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।

गौरतलब है कि यह आरक्षण पहली बार 1995 में एचडी देवेगौड़ा की जनता दल ने कर्नाटक में लागू किया था। दिलचस्प बात यह है कि देवगौड़ा की जद (एस) अब बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सहयोगी है। कर्नाटक सरकार के 14 फरवरी, 1995 के एक आदेश में जिक्र किया गया जिसमें बताया गया कि यह निर्णय चिन्नप्पा रेड्डी आयोग की रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है और आरक्षण को 50 प्रतिशत तक सीमित करने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का पालन करता है। कांग्रेस ही नहीं किसी न किसी बहाने मुस्लिम वोट बैंक पर गैरभाजपा दलों की भी खीचतान रही है। विपक्षी दलों का प्रयास रहा है कि किसी भी तरह यह अल्पसंख्यक वोट बैंक छिटकना नहीं चाहिए, यही वजह है कि साफ तौर पर धर्म के आधार पर आरक्षण को राजनीति का मोहरा बनाया गया। केरल में ओबीसी को 30 प्रतिशत आरक्षण मिलता है, जिसमें मुस्लिम समुदाय को नौकरियों में 8 प्रतिशत और उच्च शिक्षा में 10 प्रतिशत कोटा प्रदान किया गया। तमिलनाडु में पिछड़े वर्ग के मुसलमानों को 3.5 प्रतिशत आरक्षण मिलता है, जिसमें मुस्लिम समुदाय की 95 प्रतिशत जातियां शामिल हैं। इसी तरह बिहार में ओबीसी को 32 प्रतिशत आरक्षण मिलता है, जिसमें मुस्लिम समुदाय को 4 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया है। आंध्र प्रदेश में मुस्लिम समुदाय को आरक्षण देने की कोशिश की गई थी, लेकिन कोर्ट ने इसे रद्द कर दिया। मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। पश्चिम बंगाल में कुछ मुस्लिम जातियों को शामिल किया गया लेकिन अलग से कोटा नहीं दिया गया। उत्तर प्रदेश में भी 2005 में मायावती सरकार ने 18 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण का प्रस्ताव रखा, लेकिन कोर्ट ने रोक दिया। सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन के कारण आरक्षण का प्रावधान कानूनी है। इसकी भी सीमा है। सुप्रीम कोर्ट ने 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण के मामलों को खारिज किया है। इसके बावजूद राजनीतिक दलों का आरक्षण के प्रति लोभ संवरण कम नहीं हुआ। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल आरक्षण के जरिए वाकई मुसलमानों का भला चाहते हों, दरअसल इनकी नीयत में खोट है। यह खोट वोट बटोरने का है। क्षेत्रीय दलों का राजनीतिक दायरा एक या दो राज्यों से अधिक नहीं है, किन्तु कांग्रेस का नेटवर्क देशभर में है। ऐसे में मुस्लिमों के मुद्दों को लेकर कांग्रेस को सर्वाधिक राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ी है। भाजपा ने इसी आधार पर वोटों का ध्रुवीकरण किया है। पता नहीं यह बात कांग्रेस को कब समझ आएगी कि देश के बहुसंख्यक वोट बैंक को नाराज करके देश की सत्ता किसी भी सूरत में हासिल नहीं की जा सकती। कांग्रेस जब तक तुष्टिकरण की नीति का त्याग नहीं करेगी, तब तक भविष्य में सत्ता तक पहुंचना उसके लिए आसान नहीं होगा।

पिकअप-बाइक की टक्कर, 3 की मौत

शादी के लिए लड़की देखकर लौट रहे थे, चिरई घाट में हादसा, सड़क पर लाशें बिखरी

मीडिया ऑडीटर, बलरामपुर (एजेंसी)। रविवार को बलरामपुर जिले में सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। तीनों एक ही बाइक पर सवार थे जिन्हें तेज रफ्तार पिकअप ने टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि, शादी के लिए लड़की देखकर लड़का और उसके 2 रिश्तेदार वापस लौट रहे थे। जानकारी के मुताबिक, ग्राम पटना के रहने वाले खेलसाय नगेशिया (25 साल) की शादी की तैयारी चल रही थी। खेलसाय अपने बड़े पिता भंडारी नगेशिया (65 साल) और ममेरे फाई फुलसाय नगेशिया (27 साल के साथ) लड़की देखने सामरी थाना क्षेत्र के सबाग गए थे।

दोनों वाहन तेज रफ्तार में थे: तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर रविवार सुबह वापस शंकरगढ़ लौट रहे थे। इसी दौरान कुसमी-शंकरगढ़ मुख्य मार्ग पर चिरई घाट में हादसा हुआ। बाइक सवारों को सामने से आता देखकर पिकअप चालक ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन तेज रफ्तार के चलते दोनों वाहन बेकाबू हो गए और आपस में भिड़ गए।

तीनों की मौके पर मौत, सड़क पर बिखरी लाशें: टक्कर के बाद बाइक सवार तीनों उछलकर सड़क में गिर गए। सिर और सीने में आई गंभीर चोट के कारण तीनों की मौके पर मौत हो गई। तीनों की लाश सड़क पर देख राहगीरों ने इसकी सूचना पर शंकरगढ़ पुलिस को दी। जिसके बाद ट्रैफिक टीम के साथ पुलिस मौके पर पहुंची। तीनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए शंकरगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया गया है। वहीं पिकअप ड्राइवर को भी मामूली चोट आई है। शंकरगढ़ पुलिस ने ड्राइवर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मामले की जांच की जा रही है।

ब्लैक स्पॉट है चिरई घाट: राजपुर-कुसमी मार्ग पर तेज रफ्तार के कारण लगातार हादसे हो रहे हैं। शंकरगढ़ थाना क्षेत्र का चिरई घाट पहले भी ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक की रफ्तार काफी तेज थी, जिसके कारण दोनों वाहनों की टक्कर हो गई।

दो ट्रकों की आमने-सामने भिड़ंत, ड्राइवर केबिन में फंसा, निकलकरअस्पताल पहुंचाया

कोंडागांव। कोंडागांव जिले के केशकाल घाट में रविवार दोपहर दो ट्रक आपस में टकरा गए। हादसा इतना भीषण था कि एक ट्रक का ड्राइवर केबिन में फंस गया। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और बचाव दल ने ट्रक के केबिन में फंसे ड्राइवर को कड़ी मशक्कत के बाद रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे में ड्राइवर के पैरों में चोट आई है। उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

ट्रकों की आमने-सामने भिड़ंत: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, संकरी और घुमावदार सड़क के कारण ट्रकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इनमें से एक ट्रक तेज रफ्तार में था, जबकि दूसरा ट्रक घाट के तीखे मोड़ पर मुड़ने की कोशिश कर रहा था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों के आगे के हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

ड्राइवर केबिन में फंसा, राहत कार्य जारी: टक्कर के बाद एक ट्रक का ड्राइवर बुरी तरह केबिन में फंस गया। पुलिस और बचाव दल ने ड्राइवर को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाल लिया गया।

राइस मिल में लगी भीषण आग

लाखों का बारदाना और धान जलकर राख, आग बुझाने में जुटी फायर ब्रिगेड की 4 गाड़ियां

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में नारायण राइस मिल में सुबह 7:30 बजे भीषण आग लग गई है। आग पर काबू पाने के लिए 4 दमकल लगी हुई हैं। बताया जा रहा है कि आग इतनी भीषण थी कि बुझाने में करीब 4-5 घंटे लगे। मामला चिखली क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक राइस मिल कैलाश रूंगटा की है। राइस मिल में सुबह मजदूरों ने धुआं निकलता देखा। जब तक वो समझ पाते आग बारदानों तक पहुंच गई। इससे तेज लपटें निकलने लगी। लाखों का नुकसान हो गया है।

फायर ब्रिगेड की 4 गाड़ियां और टीम लगी: जिला अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पिछले 2 घंटे में कुछ हद तक आग पर काबू पा लिया गया है। फायर ब्रिगेड की टीम ने धान और बारदाने में अच्छी तरह से पानी डालकर आग को बुझाया गया है, जिससे एक भी चिंगारी ना बढ़े और दोबारा आग ना भड़के।

मजदूरों को मिल एरिया से बाहर निकाला गया: मौके पर दुर्ग पुलिस की टीम भी मौजूद रही। पुलिस ने मजदूरों और लोगों को मिल एरिया से बाहर किया, ताकि किसी प्रकार की जनहानि ना हो। पुलिस ने बताया कि आग लगने का स्पष्ट कारण पता नहीं चल पाया है, लेकिन ऐसा कहा जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी है।

आग लगने से मिल मालिक को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। आग लगने का कारण जानने के लिए पूछताछ की जा रही है।

राजधानी और न्यायधानी में धर्मांतरण पर बवाल

प्रार्थना सभा में बाइबिल बांटने पर हंगामा, रायपुर में भी बजरंग दल का प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के 2 शहरों में रविवार को धर्मांतरण को लेकर जमकर बवाल हुआ। रायपुर और बिलासपुर में प्रार्थना सभा में धर्मांतरण की शिकायत पर हिंदू संगठन और बजरंग दल कार्यकर्ताओं मौके पर पहुंचे। रायपुर के मुजगहन और बिलासपुर के सरकंडा थाना इलाके का ये मामला है। इससे पहले बिलासपुर में ही शुक्रवार को भी प्रार्थना सभा में बाइबिल बांटने पर बवाल हुआ था। हिंदू संगठन का आरोप है कि, पैसों का लालच देकर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। इसके बाद पुलिस ने 7 लोगों को अरेस्ट किया। बिलासपुर में 13 दिनों में धर्मांतरण के 4 केस सामने आए हैं।

रायपुर में घर के अंदर धर्मांतरण की शिकायत: रायपुर बजरंग दल के जिला अध्यक्ष योगेश सैनी ने बताया कि मुजगहन थाना इलाके में धर्मांतरण की शिकायत मिली थी। यहां एक घर के भीतर कुछ लोग मिलकर धर्मांतरण की गतिविधियों में शामिल थे। इसके बाद हमने इसका कड़ा विरोध किया। इस मामले में पुलिस को शिकायत दी गई है। पुलिस से इस मामले में आश्वासन मिला है कि, आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बिलासपुर के मोपका में दबिश: सरकंडा थाना इलाके के मोपका में धर्मांतरण की शिकायत पर हिन्दू संगठन और पुलिस ने दो घरों में दबिश दी। यहां दावा किया गया कि, प्रार्थना सभा के जरिए धर्मांतरण का प्रयास चल रहा था। हिंदू संगठन के लोगों ने कहा कि, धर्मांतरण के लिए लोगों का ब्रेनवॉश हो रहा है। कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। पुलिस ने भी धर्म विशेष की किताबें और साहित्य जब्त करते हुए चार लोगों को हिरासत में लिया है।

भाई ने चाकू से किया जानलेवा हमला, गंभीर हालत

रायपुर। रायपुर में एक युवक ने अपने ही परिवार के युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया है। इसके बाद युवक को एम्स अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती कराया गया है। दोनों युवक रिश्ते में भाई हैं।

बताया जा रहा है कि ये पूरी वारदात पुरानी रंजिश को लेकर हुई है। यह पूरा मामला उरला थाना क्षेत्र का है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली की एक युवक को मारपीट के बाद एक अस्पताल में भर्ती किया गया है। युवक का नाम अभिषेक गेंन्द्रे है। 20 मार्च को दोपहर करीब 3 बजे वह पड़ोस के ही एक युवक के घर के पास खड़ा था। इसी दौरान उसका रिश्तेदार मोहित चतुर्वेदी वहां पहुंचा और पुरानी रंजिश को लेकर दोनों के बीच बहस होने लगी। विवाद बढ़ने पर मोहित ने अचानक चाकू से अभिषेक पर हमला कर दिया।

चाचा ने की भतीजे की हत्या, बिलासपुर में संपत्ति को लेकर चल रहा था विवाद, झाड़ियों के बीच मिला शव, आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में जमीन विवाद को लेकर चाचा ने अपने भतीजे को मार डाला। आरोपी ने पहले अपने बड़े भाई को धमकाया फिर सुप्रीम कुमार (30) की हत्या कर दी। घटना के पांच दिन बाद परिजन को उसका शव कोटा स्थित कोल साइडिंग के नजदीक झाड़ियों के बीच मिला। मामला कोटा थाना क्षेत्र का है। 10 मार्च को आरोपी ने लाश झाड़ी में फेंका और फरार हो गया जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

परिवार में जमीन को लेकर विवाद था: झारखंड के गढ़वा जिला निवासी सुप्रीम कुमार (30) ट्रेलर ड्राइवर है। उसके पिता और अन्य रिश्तेदार बिलासपुर और आसपास के जिलों में रहकर ड्राइवरी का काम करते हैं। सुप्रीम और उनके परिवार के लोगों के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा था।

अचानक गायब हुआ था सुप्रीम: इसे लेकर सुप्रीम के चाचा ने पहले उसके पिता को फोन पर संपत्ति विवाद को लेकर धमकाया। साथ ही सुप्रीम की हत्या करने की धमकी उसके पिता को दी। 10 मार्च को सुप्रीम अचानक गायब हो गया। कुछ पता नहीं चलने पर पिता ने अन्य लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि वह कोटा कोल साइडिंग कोयला लेकर गया था। ट्रेलर भी साइडिंग पर मिला। पिता ने कोटा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

झाड़ियों के बीच मिला शव: 15 मार्च को सुप्रीम का शव कोल साइडिंग के नजदीक झाड़ियों के बीच मिला। पुलिस पीएम रिपोर्ट आने के बाद हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस आरोपी को झारखंड समेत आसपास के इलाकों में तलाश रही है।

9वीं की छात्रा की फंदे पर झूलती लाश

सप्लीमेंट्री आने से परेशान थी, टीचर बोले- कुछ दिनों पहले नेशनल खेलने नेपाल भी गई

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (एजेंसी)। अंबिकापुर के कार्मेल स्कूल की 9वीं की छात्रा ने एग्जाम में सप्लीमेंट्री आने के बाद घर में फांसी लगा ली। 9वीं के फाइनल एग्जाम में छात्रा हिंदी विषय में फेल हो गई थी। छात्रा को स्कूल प्रबंधन ने परीक्षा देने के लिए एक और मौका भी दिया था।

इसी बीच शनिवार दोपहर वह घर में फांसी पर झूल गई। परिजन उसे लेकर मिशन हॉस्पिटल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छात्रा का शव पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। बताया जा रहा है कि, वह कुछ दिन पहले नेपाल भी गई थी।

कमरे में लगा ली फांसी: जानकारी के मुताबिक, रोजगार कार्यालय में पदस्थ क्लर्क मन कुमार राम की 14 साल की बेटी मानसी कक्षा 9वीं की छात्रा थी। कक्षा 9वीं की फाइनल परीक्षा में हिंदी के पेपर में उसे सप्लीमेंट्री आई थी। पिता के अनुसार स्कूल प्रबंधन ने एक और मौका देने कहा था। रिजल्ट आने के बाद वह परेशान थी। शनिवार को मानसी थाना गांधीनगर स्थित अपने घर में थी। घर के दूसरे कमरे में पिता मन कुमार राम भी मौजूद थे। दोपहर लगभग 2 बजे मानसी का बड़ा भाई घर पहुंचा और उसने खाना देने के लिए मानसी को आवाज दी। मानसी की आवाज नहीं आने पर भाई उसके कमरे में पहुंचा। मानसी फांसी के फंदे पर झूलती हुई मिली। उसने शोर मचाकर पिता को आवाज दी।

हॉस्पिटल पहुंचने से पहले मौत, नहीं मिला सुसाइड नोट: मानसी को तत्काल फंदे से उतारकर पिता और परिजन उसे लेकर मिशन हॉस्पिटल पहुंचे। मिशन हॉस्पिटल में डॉक्टरों ने जांच के बाद मानसी को मृत घोषित कर दिया। मानसी के शव का पोस्टमॉर्टम अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में रविवार को किया गया। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है लेकिन परिजनों ने स्कूल प्रबंधन पर भी किसी प्रकार का कोई दबाव होने या अन्य कोई आरोप नहीं लगाया है।

खेलकूद में काफी अच्छी थी मानसी- टीचर: घटना की सूचना पर कार्मेल स्कूल के शिक्षक भी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल पहुंचे। शिक्षकों ने बताया कि मानसी शांत स्वभाव की थी। सप्लीमेंट्री आना कोई ऐसा बड़ा कारण नहीं था, जिससे वह फांसी लगा ले। उसके पास परीक्षा पास करने का मौका था। स्पोर्ट्स टीचर डेविड एक्का ने कहा कि बच्ची खेल में भी काफी अच्छी थी। कुछ दिनों पहले ही वह नेशनल खेलने नेपाल गई थी।

बता दें कि एक साल पहले भी कार्मेल स्कूल की कक्षा छठवीं की छात्रा ने टीचर पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए फांसी लगा ली थी।

सड़क हादसे में टीचर की मौत

अज्ञात वाहन ने स्कूटी को मारी टक्कर, स्कूल से लौट रही थी, 1 की हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, बालोद (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से शिक्षिका की मौत हो गई। वहीं हादसे में स्कूल की एक महिला कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हुई है। बताया जा रहा है दोनों स्कूटी में सवार होकर स्कूल से लौट रहे थे, तभी यह घटना हुई।

मामला दल्लीराजहरा थाना क्षेत्र का है। मोहला-मानपुर नेशनल हाईवे-930 पर ग्राम हितकसा के पास शनिवार (22 मार्च) को हादसा हुआ। जानकारी के मुताबिक, टीचर रोजाना कार से आती थी लेकिन घटना वाले दिन स्कूटी से आई थी।

घटना की सूचना पर स्थानीय लोगों ने तुरंत एंबुलेंस को बुलाया। संजीवनी 108 से पहले घायल मथुरा मंडावी को शासकीय अस्पताल चिखलाकसा ले जाया गया, लेकिन उनकी नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव रेफर कर दिया गया।

मृतक शिक्षिका बरखा वासनिक (35) शेरपार हाईस्कूल की टीचर थी। वहीं गंभीर रूप से घायल मथुरा मण्डावी (33) भृत्य थी। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

स्कूल से लौटते समय हुआ हादसा: जानकारी के मुताबिक, बरखा वासनिक और मथुरा मंडावी स्कूल की छुट्टी के बाद स्कूटी से मानपुर चौक की ओर से दुर्ग जा रही थीं। इसी दौरान हितकसा के पास अज्ञात वाहन ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे में शिक्षिका बरखा वासनिक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि मथुरा मण्डावी को गंभीर चोटें आईं।

दुर्ग के शंकर नगर की रहने वाली थी शिक्षिका: बरखा वासनिक दुर्ग के शंकर नगर में अपने मायके में दो बच्चों (7 साल की बेटी और 6 साल के बेटे) के साथ रहती थीं। उनके पति शिशुपाल वासनिक बिजली विभाग में कार्यरत हैं और भिलाई के राधिका नगर में रहते हैं।

बताया जा रहा है कि पिछले 7-8 सालों से दोनों अलग रह रहे थे। वहीं, पीछे बैठी भृत्य मथुरा मंडावी परसोदा (झलमला) की रहने वाली है। दोनों साथ मे ही आना-जाना करते थे।

रोज कार से आती थी, घटना वाले दिन स्कूटी ले आई: दल्लीराजहरा टीआई टीएस पट्टावी ने बताया कि यह हादसा शनिवार शाम की है। शिक्षिका और भृत्य शेरपार हाईस्कूल में पदस्थ थीं। हादसे के बाद शिक्षिका के शव को मर्च्युरी में रखा गया था और रविवार सुबह 11 बजे पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

परिजनों का कहना है कि मृतका रोज कार से स्कूल जाती थी, लेकिन घटना वाले दिन स्कूटी से गई थी। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्टील प्लांट में हादसा, इंजीनियर समेत 3 कर्मचारी झुलसे

गर्म पानी और डस्ट की चपेट में आए, महासमुंद प्लांट में तीन महीने में दूसरी घटना

मीडिया ऑडीटर, महासमुंद (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में महासमुंद जिले के करणी कृपा पॉवर मिनी स्टील प्लांट में शनिवार दोपहर करीब 12 बजे बॉयलर के पास काम करते समय एक इंजीनियर समेत तीन कर्मचारी गर्म पानी और डस्ट से बुरी तरह झुलस गए। घायल कर्मचारियों में इंजीनियर देवेंद्र सिंह, हेल्पर करण कुर्रे और रितेश शामिल हैं। इस हादसे में तीनों 30 से 35 प्रतिशत तक झुलस गए हैं। यह घटना ग्राम खैरझिटी की है।

घायलों को रायपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बतादें कि कृपा पॉवर मिनी स्टील प्लांट में तीन महीने में यह दूसरी घटना है। 2 जनवरी को एक कर्मचारी की मिक्सचर मशीन में दबने से मौत हो गई थी।

तीनों कर्मचारियों को एक ही एम्बुलेंस से भेजा गया: इधर, प्लांट प्रबंधन की लापरवाही का आलम यह रहा कि गंभीर रूप से झुलसे तीनों कर्मचारियों को एक छोटी एम्बुलेंस में भरकर अस्पताल भेजा गया।

हादसे के 24 घंटे बाद भी पुलिस के पास झुलसे लोगों की कोई जानकारी नहीं है। श्रम विभाग और औद्योगिक स्वास्थ्य और सुरक्षा विभाग के अधिकारी भी इस मामले में कोई जवाब देने से बच रहे हैं।

दो साल में तीन हादसे, तीन की मौत: यह प्लांट पिछले दो वर्षों से संचालित है और इस दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण कई हादसे हो चुके हैं। जून 2024 में कोल बंकर स्टीम में तीन श्रमिक झुलसे। सितंबर 2024 में जीसीटी टैंक में हुए हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। इसी वर्ष जनवरी में एक कर्मचारी की मिक्सचर मशीन में दबने से मौत हो गई। प्रशासन की चेतावनी के बावजूद प्लांट प्रबंधन सुरक्षा मानकों का पालन नहीं कर रहा है।

प्रशासन की खानापूर्ति कार्रवाई: 2 जनवरी को हुई मौत के बाद जिला प्रशासन ने उद्योग विभाग, श्रम विभाग, परिवहन विभाग, खनिज विभाग और औद्योगिक स्वास्थ्य और सुरक्षा विभाग के अधिकारियों की एक जांच टीम गठित की। टीम स्टील प्लांट में हुई मौत के अलावा सुरक्षा मानकों के पालन करने में हुई चूक और लापरवाही की जांच करने 7 जनवरी 2025 को प्लांट पहुंची।

इस जांच में सुरक्षा से जुड़ी कई जरूरी संसाधन और सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाया गया। अफसरों ने 17 हाइड्रा, 6 क्रेन, 4 जेसीबी, 12 मिक्सचर मशीन और ट्रकों के परिचालन पर रोक लगा दी थी।

एक अफसर, 2 जिले का प्रभार: औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग के सहायक मनीष कुंजाम बलौदाबाजार में पदस्थ हैं और अतिरिक्त महासमुंद का प्रभार दिया गया। इसके चलते महासमुंद जिले में संचालित उद्योगों की नियमित जांच नहीं होती है।

कभी कोई हादसा हो जाए तो अफसर जांच के लिए नहीं आते हैं। यहीं नहीं महासमुंद जिला बने 25 साल हो चुके हैं, लेकिन औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग का कार्यालय तक नहीं है।

मांग के अनुरुप होगी शराब की उपलब्धता

बिलासपुर में आबकारी सचिव ने दिए निर्देश, मिलावटी शराब मिली तो होगी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में अब मांग के अनुरुप शराब उपलब्धता कराई जाएगी। ये फैसला नई आबकारी नीति को लेकर हुई बैठक में लिया गया है। शनिवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 की नई आबकारी नीति को लेकर महत्वपूर्ण बैठक हुई।

बैठक में आबकारी सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मदिरा दुकानों में उपभोक्ताओं की मांग के अनुरूप शराब की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। सभी ब्रांड और लेबल का प्रदर्शन उचित तरीके से किया जाए। उन्होंने दुकानों में कार्यरत कर्मचारियों के समय पर वेतन भुगतान पर भी जोर दिया। वहीं, सचिव ने अवैध और मिलावटी शराब की बिक्री पर कड़ी कार्रवाई की भी बात कही।

8 जिलों के आबकारी अधिकारी शामिल: बैठक में बिलासपुर संभाग के आठ जिलों के आबकारी अधिकारी मौजूद रहे। आयुक्त ने 1 अप्रैल से प्रारंभ होने वाले नए वित्त वर्ष की तैयारियों की समीक्षा की। इसमें ड्यूटी दरें, शुष्क दिवस और बायोमेट्रिक उपस्थिति पर विशेष ध्यान दिया गया। मदिरा दुकानों में विक्रय सीमा और संचालन में सावधानियों पर भी चर्चा हुई।

आबकारी आयुक्त ने बैठक की अध्यक्षता की: बता दें कि आबकारी विभाग की सचिव एवं सह आबकारी आयुक्त आर संगीता ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। अपर आयुक्त आबकारी आशीष श्रीवास्तव, बिलासपुर संभाग के उपायुक्त विजय सेन शर्मा और प्रभारी सहायक आयुक्त आबकारी नवनीत तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जिले में "उल्लास" साक्षरता महापरीक्षा का आयोजन हुआ संपन्न

"उल्लास" कार्यक्रम बना साक्षरता का सेतु, जिले को श्जन-जन साक्षर बनाने की ओर बढ़ा कदम

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत संचालित नवभारत साक्षरता कार्यक्रम "उल्लास" के अंतर्गत साक्षरता महापरीक्षा का भव्य आयोजन किया गया। यह परीक्षा जिलेभर में शिक्षा का नया सवेरा लेकर आई, जिसका उद्देश्य 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के अशिक्षित व्यक्तियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डी. राहुल वेंकट के मार्गदर्शन में और जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा के निर्देशन में इस परीक्षा का सुचारू रूप से संचालन किया गया। विकासखंड भरतपुर में इस्माइल खान, मनेन्द्रगढ़ में सुरेंद्र जायसवाल और खड़गवां में

बलविंदर सिंह की देखरेख में परीक्षा का सफल आयोजन हुआ। मनेन्द्रगढ़ में यह परीक्षा प्राथमिक शाला खूंटापारा और प्राथमिक शाला डोमनापारा में संपन्न हुई, जबकि खड़गवां में भी इसे सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित किया गया। भरतपुर के आदर्श परीक्षा केंद्र प्राथमिक शाला बरहोरी में विशेष आयोजन के तहत शिक्षार्थियों का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ स्वागत किया गया। उन्हें लोरी, चंदन और पुष्पगुच्छ भेंट कर शिक्षा की ओर बढ़ने के इस ऐतिहासिक कदम के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी भरतपुर मो. इस्माइल खान, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुदर्शन पैकरा, संकुल समन्वयक रमेश पटेल, केंद्राध्यक्ष मनोज सिंह, पर्यवेक्षक इंद्रजीत सिंह और साक्षरता प्रभारी राजकुमार नामदेव की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस महा परीक्षा महापरीक्षा में जिलेभर से 6,225 परीक्षार्थियों ने भाग लिया, जिनकी लगन और मेहनत ने इस अभियान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। परीक्षा में वे अभ्यर्थी शामिल हुए जिन्होंने उल्लास साक्षरता केंद्र में 200 घंटे की पढ़ाई पूरी कर ली थी या उल्लास प्रवेशिका के सात अध्यायों को सफलतापूर्वक पूरा किया था। इस परीक्षा के सफल प्रतिभागियों को राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय संस्थान और राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा, जिससे उनके लिए शिक्षा और रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। "उल्लास" साक्षरता महापरीक्षा केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि उन हजारों लोगों के सपनों को साकार करने का एक माध्यम बनी है, जिन्होंने शिक्षा पाने की चाह तो रखी थी, लेकिन परिस्थितियों के कारण पीछे रह गए थे। यह पहल न केवल उनके जीवन में बदलाव लाएगी बल्कि जिले को श्जन-जन साक्षर बनाने की दिशा में भी मील का पत्थर साबित होगी। यह परीक्षा शिक्षा के प्रति जागरूकता और समर्पण की एक मिसाल बनकर आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

जज कैश केस, सुप्रीम कोर्ट ने जांच रिपोर्ट जारी की

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 22 मार्च की देर रात दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से मिले कैश की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक कर दी। इसमें कैश का वीडियो भी है। साथ ही तीन तस्वीरें भी जारी की गई हैं। इसमें 500 रुपए के जले हुए नोटों के बंडल दिखाई दे रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि 14 मार्च को जस्टिस के घर आग लगने के बाद फायर ब्रिगेड की टीम वहां पहुंची थीं। आग पर काबू पाने के बाद 4-5 अधजली बोरियां मिलीं, उनके अंदर नोट भरे हुए थे। रिपोर्ट में जस्टिस वर्मा का पक्ष भी है, जिसमें उन्होंने कहा है कि जिस स्टोर रूम में नोटों की गड्डियां मिलने की बात की जा रही है, वहां उन्होंने या उनके परिवार ने कभी कोई पैसा नहीं रखा। वो एक ऐसी खुली जगह है, जहां हर किसी का आना जाना होता है। उन्हें इस मामले में फंसाया जा रहा है। दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय ने इंटरनल इन्क्वायरी के बाद सुप्रीम कोर्ट को 21 मार्च को रिपोर्ट सौंपी थी। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा को ज्यूडिशियल काम देने से मना कर दिया है। अब जस्टिस वर्मा के 6 महीने की कॉल डिटेल्स की जांच की जाएगी।

ओडिशा में ओले गिरे, 2 की मौत

नई दिल्ली। पिछले 24 घंटों में ओडिशा में अलग-अलग जगहों पर बारिश, आंधी और बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। 67 अन्य घायल हो गए और 600 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गए। आज देश के 17 राज्यों में बारिश की संभावना है। इसमें बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गुजरात, केरल और नॉर्थ ईस्ट के राज्य शामिल हैं। मौसम विभाग ने कहा कि अगले 24 घंटों में जगतसिंहपुर, कटक, ढेंकनाल, अंगुल, देवगढ़ और सुंदरगढ़ जिलों में कुछ स्थानों पर तेज हवाओं के साथ बिजली और ओले गिरने की संभावना है। इस दौरान बालासोर, भद्रक, जाजपुर, केंद्रपाड़ा, मयूरभंज और क्योंझर जिलों में एक या दो स्थानों पर भारी बारिश (7 से 11 सेमी) और बिजली के साथ तूफान आ सकता है। मौसम विभाग ने 2025 में भी सामान्य से अधिक गर्मी रहने का अनुमान जताया है। ये हालात हीटवेव की गंभीरता दिखा रहे हैं। सस्टेनेबल फ्यूचर कोलाबोरेटिव, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया और किंग्स कॉलेज लंदन के शोधकर्ताओं की साझा रिपोर्ट में सामने आया है कि भारत एक्स्ट्रीम हीटवेव झेलने के लिए तैयार नहीं है। आने वाले वर्षों में हीटवेव लंबे समय तक बने रहने से ज्यादा मौतें होने की चेतावनी है।

दिशा सालियान केस,बीजेपी नेता नारायण राणे का उद्धव पर आरोप

मुंबई। बीजेपी सांसद नारायण राणे ने शनिवार को दिशा सालियान केस में उद्धव ठाकरे पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा- दिशा सालियान डेथ केस में उद्धव ठाकरे ने मुझसे उनके बेटे आदित्य ठाकरे का नाम न लेने का अनुरोध किया था। राणे ने कहा- मेरी मांग है कि अब तक जुटाए गए सबूतों के आधार पर स्न्द्धक्र दर्ज की जाए और आदित्य ठाकरे को गिरफ्तार किया जाए।

दिशा सालियान, जो दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की

मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में आयोजित बिहारी समाज स्नेह मिलन कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को इंदौर में बिहारी दिवस के उपलक्ष्य में वृहद बिहारी समाज स्नेह मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने बिहार और बिहार के निवासियों की योग्यता, बुद्धिमत्ता और श्रमशीलता की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बिहार और मध्यप्रदेश का प्राचीन काल से ही गहरा नाता रहा है। भारत देश के वैभवकाल में पाटलिपुत्र और अवंतिका सत्ता के दो केंद्र हुआ करते थे। सम्राट अशोक की राजधानी पाटलिपुत्र रही, लेकिन उनकी संतति ने मध्य प्रदेश से ही श्रीलंका में बौद्ध धर्म के प्रचार की नींव रखी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माँ गंगा के पावन जल में मध्यप्रदेश की नदियों का जल भी समाहित है। मध्यप्रदेश से निकलने वाली अनेक नदियाँ अंततः गंगा में जाकर समाहित होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने

कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में बिहार ने विकास के नए आयाम गढ़े हैं और आने वाले दिनों में विकास का यह पहिया और भी तेज़ी से घूमेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर में बिहारी समाज की माँग पर यहाँ छठ पूजन के लिए घाट विकसित करने और छठ मेला आयोजित किए जाने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में बिहार से आए सांसद श्री रविशंकर प्रसाद, विधायक सुश्री गायत्री देवी, प्रदेश के नगरीय एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, राज्यसभा सदस्य सुश्री कविता पाटीदार सहित विधायकगण एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में विकास के कार्य लगातार किये जा रहे हैं।

भगोड़ा हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को भारत लाने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गीतांजलि जेम्स के मालिक और 13,850 करोड़ रुपए के बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी अपनी पत्नी प्रीति चोकसी के साथ बेल्जियम में रह रहा है। ये बेल्जियम के एंटवर्प शहर में स्न्न रेजीडेंसी कार्ड पर रह रहें है। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के बाद 2018 में भारत से एंटीगुआ-बारबुडा भाग गया था। चोकसी को भारत लाने के लिए अधिकारियों ने बेल्जियम सरकार से प्रत्यर्पण प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। मेहुल चोकसी और नीरव मोदी पर पंजाब नेशनल बैंक की मुंबई स्थित ब्रेडी हाउस ब्रांच में 13,850 करोड़ रुपए का घोटाला करने का आरोप है। इससे पहले चोकसी ने पासपोर्ट सस्पेंड होने के कारण भारत नहीं लौट पाने का बहाना बनाया था। 2018 में भारत छोड़ने से पहले ही चोकसी ने 2017 में ही एंटीगुआ-बारबुडा की नागरिकता ले ली थी। मेहुल चौकसी बार- बार

खराब सेहत का हवाला देकर भारत में पेशी पर आने से इनकार देता था। कभी-कभी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही उसकी पेशी होती है। भारत में उसकी कई संपत्तियां भी जब्त की जा चुकी हैं।

चोकसी मई 2021 में एंटीगुआ से गायब होकर पड़ोसी देश डोमिनिका पहुंच गया था। यहां उसे अरेस्ट कर लिया गया। ष्टक्चछ की एक टीम उसका प्रत्यर्पण कराने के लिए डोमिनिका पहुंची, लेकिन इसके पहले ही ब्रिटिश क्वीन की प्रिवी काउंसिल से उसे राहत मिल गई। बाद में उसे फिर एंटीगुआ के हवाले कर दिया गया।

हालांकि, डोमिनिका की जेल में मेहुल चोकसी को 51 दिन गुजारने पड़े थे। यहां उसने दलील दी थी कि वो एंटीगुआ जाकर वहां के एक न्यूरोलॉजिस्ट से ट्रीटमेंट कराना चाहता है। एंटीगुआ पहुंचने के कुछ दिन बाद डोमिनिका की अदालत ने चोकसी के खिलाफ दर्ज केस भी खारिज कर दिए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मेहुल चोकसी ने बेल्जियम में निवास पाने के लिए झूठे और फर्जी दस्तावेज जमा किए। उसने अपनी भारतीय और एंटीगुआ की नागरिकता छुपाकर गलत जानकारी दी, ताकि उसे भारत न भेजा जा सके। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि मेहुल चोकसी अब स्विट्जरलैंड जाने की योजना बना रहा है।

पीएम मोदी के मिनी ब्राजील में सिर्फ 12 फुटबॉल

शहडोल (एजेंसी)। शहडोल के विचारपुर गांव में खेलने के लिए स्टेडियम तक नहीं है। पेरेंट्स उधार लेकर बच्चों को फुटबॉल किट दिलाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों अमेरिकी पॉडकास्ट होस्ट लेक्स फ्रिडमैन से बातचीत के दौरान मध्यप्रदेश के शहडोल जिले के विचारपुर गांव का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि इस गांव के लोग चार पीढ़ियों से फुटबॉल खेल रहे हैं।

उनमें फुटबॉल के प्रति गहरा लगाव काबिल-ए-तारीफ है।

ये कोई पहला मौका नहीं था, जब पीएम मोदी ने इस गांव का जिक्र किया है। दो साल पहले रेडियो प्रोग्राम मन की बात में भी वे विचारपुर गांव का जिक्र कर चुके थे। जिस गांव का जिक्र पीएम मोदी दो-दो बार कर चुके हैं, वहां जमीनी हालात क्या हैं? गांव में फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए मध्यप्रदेश सरकार की तरफ से क्या कोशिश की गई हैं...ये जानने के लिए विचारपुर गांव पहुंची।

यहां फुटबॉल प्लेयर्स से बात की तो पता चला कि बच्चों के खेलने के लिए कोई स्टेडियम तक नहीं है। पेरेंट्स उधार लेकर बच्चों को फुटबॉल किट दिलाते हैं। प्रशासन की तरफ से फुटबॉल को बढ़ावा देने के नाम पर पिछले दो साल में 12 फुटबॉल दी गई हैं। जिला कलेक्टर जमीनी हालात से अनजान हैं।

जयशंकर बोले- हमने हमेशा थरूर के विचारों का सम्मान किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। जयशंकर बिजनेस टुडे माइंडरश 2025 कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उनसे कांग्रेस सांसद शशि थरूर की ओर से की गई मोदी सरकार की तारीफ को लेकर सवाल किया गया। जयशंकर ने कहा- हमने रूस-यूक्रेन संघर्ष, उसकी वजह और हालात को समझकर बहुत ही निष्पक्ष तरीके से देखा, जो हमारी सफलता रही। यही वजह है कि इस मुद्दे से भावनात्मक रूप से जुड़े हुए कई पक्ष के लोग हमारे आकलन से प्रभावित हुए हैं। दरअसल, 19 मार्च को कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मोदी सरकार की तारीफ की थी।

थरूर ने कहा- भारत आज ऐसी स्थिति में है, जो रूस और यूक्रेन के बीच शांति स्थापित कर सकता है। भारत के पास ऐसा प्रधानमंत्री है, जो वोलोदिमिर जेलेंस्की और व्लादिमीर पुतिन दोनों को गले लगा सकता है। हम दोनों जगहों (रूस और यूक्रेन) पर स्वीकार किए जाते हैं। जयशंकर ने कहा, भारत ने न केवल रूस-यूक्रेन युद्ध में तटस्थ रुख अपनाया, बल्कि मध्य पूर्व में ईरान और इजराइल के साथ भी अपने रणनीतिक संबंधों को संतुलित रखा। 2023 में जब हमास ने इजराइल पर हमला किया, तब भारत ने कूटनीतिक संतुलन बनाए रखा।% इजराइल भारत का प्रमुख रक्षा आपूर्तिकर्ता है, जबकि भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों के लिए ईरान पर निर्भर है। जयशंकर ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक नेताओं के साथ मजबूत कूटनीतिक समझ ने भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूती दी है।

किसान नेता डल्लेवाल पटियाला के अस्पताल में शिफ्ट

जालंधर (एजेंसी)। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को आज यानि रविवार सुबह जालंधर कैंट (आर्मी एरिया) स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस से गुपचुप तरीके से पटियाला के राजिंदरा अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया है। डल्लेवाल को हिरासत में लेने के बाद पुलिस पहले उन्हें जालंधर के पीआईएमएस अस्पताल ले गई और फिर मीडिया के जमावड़े को देखते हुए उन्हें किसान कैंट के अंदर बने पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में शिफ्ट कर दिया गया। तीन दिन तक उक्त रेस्ट हाउस में रहने के बाद डल्लेवाल को आज सुबह बिना किसी की जानकारी के पटियाला के राजिंदरा अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया। हालांकि, इस बारे में जिला प्रशासन और पुलिस की ओर से कोई जानकारी साझा नहीं की गई है। फिलहाल, उन्हें राजिंदरा अस्पताल में क्यों रखा गया, इस पर कोई स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है। मिली जानकारी के अनुसार 13 माह बाद जब पंजाब हरियाणा बॉर्डर को पुलिस ने किसानों से खाली करवाया था। इस दौरान केंद्रीय और राज्य के मंत्रियों के साथ हुई किसानों से बैठक के तुरंत बाद मोहाली से किसान नेता सरवण सिंह पंधेर और जगजीत सिंह डल्लेवाल को हिरासत में ले लिया गया था।

विसावदर सीट उपचुनाव के लिए आप के उम्मीदवार का ऐलान

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में विसावदर विधानसभा सीट पर उपचुनाव होना हैं। हालांकि, चुनाव आयोग ने चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं आया है। लेकिन, आम आदमी पार्टी ने पाटीदार गोपाल इटालिया को इस सीट अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। पार्टी के प्रदेश संगठन महासचिव मनोजभाई सोरठिया ने कहा है कि विसावदर विधानसभा उपचुनाव के लिए %आप% के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव गोपालभाई इटालिया चुनाव लड़ेंगे। गौरतलब है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में विसावदर सीट पर से आम

आदमी पार्टी की जीत हुई थी। आप भूपत भयानी ने बीजेपी के हर्षद रिबड़िया को हराया था। हालांकि, एक साल बाद (दिसंबर 2023 में) ही भूपत भयानी ने अपने पद से इस्तीफा देकर आप पार्टी छोड़ दी थी। तबसे ही यह सीट खाली है। भूपात भयानी अब भाजपा में शामिल हो चुके हैं। वहीं, पेशे से वकील गोपाल इटालिया की बात करें तो 2022 के विधानसभा चुनाव में उनकी हार हो गई थी। इटालिया ने सूरत शहर की कतारगाम सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन भाजपा के वीनू मोर्डिया से हार गए थे। इस चुनाव में मोर्डिया को 120342 वोट मिले। जबकि गोपाल इटालिया को 55713 वोट मिले थे। वर्ष 2022 में हुए गुजरात विधानसभा चुनाव में ृक्क के भूपत भयानी के जीतने के बाद इस सीट से हारने वाले उम्मीदवारों ने भयानी की जीत को हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया पंजाब से असम जेल शिफ्ट

बठिंडा (एजेंसी)। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में शामिल कुख्यात गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने शनिवार शाम कड़ी सुरक्षा के बीच बठिंडा हाई सिक्योरिटी जेल से असम की सिलचर जेल में शिफ्ट कर दिया है। इससे पहले 5 बड़े नशा तस्करों को असम जेल में शिफ्ट किया जा चुका है। मिली जानकारी के अनुसार बठिंडा पहले जग्गू को चंडीगढ़ लाया गया। चंडीगढ़ आगे हवाई जहाज से स्थानांतरण किया गया है। जग्गू भगवानपुरिया के खिलाफ 128 मुकदमें दर्ज हैं, जिसमें एनडीपीएस एक्ट के 13 मुकदमें दर्ज हैं। अब तक मिली जानकारी के अनुसार एनडीपीएस मामले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की यह पूरी कार्रवाई है, जिसके तहत जग्गू को देर रात असम जेल में ट्रांसफर कर दिया गया है। गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया का नाम अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी के मामलों में भी था। जग्गू को एनडीपीएस एक्ट के तहत असम भेजा गया है। हालांकि सूत्रों का कहना है कि पंजाब

की जेल में जग्गू को काफी खतरा था, जिसके चलते यह कार्रवाई की गई है। हालांकि इस बारे में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।बता दें कि पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई, विदेश में बैठके गैंगस्टर गोल्डी बराड़, अनमोल बिश्नोई और जग्गू भगवानपुरिया शामिल थे। मगर जग्गू के साथियों की जेल में लॉरेंस के गुर्गों द्वारा की गई हत्या के बाद गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया और लॉरेंस गैंग की आपस में ही ठन गई थी।

किसी वक्त दोनों एक दूसरे के मरने मारने के लिए तैयार रहते थे। आज दोनों एक दूसरे की जान के दुश्मन है। ऐसे में जग्गू की जान को पंजाब में खतरा था।

नागपुर हिंसा, 6 दिन बाद शहर से कर्फ्यू हटा

नागपुर (एजेंसी)। नागपुर में हिंसा के छह दिन बाद शहर में पूरी तरह से कर्फ्यू हटा लिया गया है। पुलिस कमिश्नर रविंद्र सिंघल ने रविवार को दोपहर 3 बजे से बाकी बचे कोतवाली, तहसील, गणेशपेठ और यशोधरा नगर पुलिस थाना इलाकों से कर्फ्यू हटाने का आदेश दिया। हालांकि, संवेदनशील इलाकों में पुलिस तैनाती के साथ गश्त जारी रहेगी। इससे पहले 22 मार्च को पचपावली, शांतिनगर, लकड़गंज, सक्करदरा और इमामवाड़ा जबकि 20 मार्च को नंदनवन और कपिल नगर पुलिस थाना क्षेत्रों कर्फ्यू हटा लिया गया था। छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) से औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग को लेकर बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने 17 मार्च को पूरे महाराष्ट्र में प्रदर्शन किया था। इस दौरान नागपुर में हरे रंग का कपड़ा जलाया गया। इस लेकर विवाद हो गया, जिसने बाद में हिंसा का रूप ले लिया। दूसरे पक्ष ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन में

हरे रंग की चादर जलाई गई, जिस पर कुरान की आयतें लिखी हुई थीं। हिंसा भड़कने के बाद शहर के 11 पुलिस थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू लगा दिया गया था। हिंसा में डिप्टी पुलिस कमिश्नर स्तर के तीन अधिकारियों समेत 33 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। फडणवीस बोले- जरूरत पड़ी तो बुलडोजर भी चलाएंगे हिंसा के पांचवें दिन शनिवार को ष्टरू देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- हिंसा में हुए नुकसान की भरपाई दंगाइयों की संपत्ति बेचकर वसूली जाएगी। जरूरत पड़ी तो बुलडोजर भी चलाया जाएगा। उन्होंने कहा- पीड़ितों को जल्द ही नुकसान की भरपाई की जाएगी। जिन्होंने पुलिस पर हमला किया, उनके खिलाफ कठोर से कठोर धाराएं लगाई जाएंगी। उन्होंने विपक्ष के आरोप पर कहा कि हिंसा इंटेलिजेंस फेल्योर या राजनीतिक साजिश नहीं थी। फडणवीस ने बताया कि लेडी कॉन्स्टेबल के साथ छेड़छाड़ की खबर सच नहीं है। उन पर पत्थर जरूर फेंके गए थे। हिंसा का कनेक्शन बांग्लादेश से होने के शिवसेना के दावे पर उन्होंने कहा कि यह कहना जल्दबाजी होगी।

मोहन भागवत से मिले भाजपा अध्यक्ष नड्डा

बेंगलुरु (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनावी प्रक्रिया के बीच रविवार को जेपी नड्डा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात की है। सूत्रों के मुताबिक ये बैठक बेंगलुरु में हुई है। यहां 21 मार्च से ऋस्स् की सर्वोच्च संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक चल रही थी। बैठक का आज आखिरी दिन था। सूत्रों के मुताबिक भागवत के साथ हुई मुलाकात में नड्डा ने पार्टी संगठन के चुनाव को लेकर चर्चा की। नड्डा 2020 में पूर्णकालिक अध्यक्ष बनाए गए थे। उनका कार्यकाल जनवरी 2023 में खत्म हो गया था। इसके बाद लोकसभा, आंध्र, अरुणाचल, सिक्किम, ओडिशा, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली विधानसभा चुनाव की वजह से उन्हें एक्सटेंशन दिया गया।

लोकसभा चुनाव में पार्टी की लगातार तीसरी जीत के बाद नड्डा केंद्र सरकार में मंत्री बनाए गए। एक व्यक्ति एक पद के मुताबिक उनकी जगह अब नया अध्यक्ष चुना जाना है। पार्टी के संविधान के मुताबिक 50 प्रतिशत राज्यों के संगठनात्मक चुनाव पूरा हो जाने के बाद नए अध्यक्ष का चुनाव होता है। अभी 36 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में से 13 में ही प्रदेश अध्यक्ष चुने गए हैं।

आरएसएस ने कहा- भाजपा सरकार पर संघ का दबाव नहीं इधर, आरएसएस की प्रतिनिधि सभा की बैठक की समाप्ति के बाद ऋस्स् के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने औरंगजेब की कब्र को लेकर चल रहे विवाद पर अपना पक्ष रखा। होसबाले ने कहा- औरंगजेब जैसे आक्रांता हमारे आइकॉन नहीं हो सकते। हमलावर सोच देश के लिए खतरा है।

इस पर चिंतन की जरूरत है।

होसबाले ने कर्नाटक में सरकारी कॉन्ट्रैक्ट में 4त्न मुस्लिम आरक्षण पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा- डॉ. भीमराव अंबेडकर के लिखित संविधान में धर्म आधारित आरक्षण स्वीकार नहीं किया गया है। कर्नाटक सरकार ने हाल ही में आरक्षण को लेकर बिल पास किया है।

कर्नाटक में भाजपा शासन के दौरान सरकार पर संघ का दबाव था। क्या मंत्रियों के निजी सहायक के रूप में संघ के पदाधिकारियों की नियुक्ति के लिए दबाव बनाया जाता था। इस पर होसबाले ने कहा- नियुक्ति के लिए कभी दबाव नहीं डाला गया।

डब्ल्यूटीसी 2025-27 चक्र में बड़ी जीत पर बोनस अंक देगी आईसीसी !

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) 2025-27 के चक्र में बोनस अंक देने पर विचार कर रही है। डब्लयूटीसी का ये सत्र जून में भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से शुरू होगा। वर्तमान नियमों के अनुसार अभी छोटे अंतर या एक पारी के अंतर से जीतने वाली टीम को 12 अंक, मैच टाई होने पर छह अंक और ड्रॉ रहने पर चार अंक मिलते हैं पर अब आईसीसी बड़े अंतर से मिलने वाली जीत या पारी के अंतर की जीत पर बोनस अंक दे सकती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डब्लयूटीसी सत्र शुरू होने से ही पारी की जीत पर बोनस अंक देने जैसे मामलों पर बात हो रही है क्योंकि कई टीमों का मानना है कि बड़ी टीमों को हराने पर उन्हें उतना लाभ नहीं मिल रहा है जितना मिलना चाहिये। वहीं एक पूर्व खिलाड़ी ने कहा, 'अगर ऐसा होता है तो ये अच्छी शुरुआत होगी। इससे दोनो ही टीमों को बेहतर परिणाम देने की प्रेरणा मिलेगी। इसके साथ ही आईसीसी विरोधी टीम के मैदान पर जीत दर्ज करने पर भी अतिरिक्त अंक दे सकती है। इसका कारण है कि किसी भी टीम को उसके ही घरेलू मैदाना पर हराना आसान नहीं होता।

विश्व का सबसे अमीर क्रिकेटर है एक भारतीय

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ही नहीं विश्व का सबसे धनी क्रिकेटर एक भारतीय है पर उसने एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। ये और कोई नहीं आर्यमन बिड़ला हैं जो बिड़ला समूह के प्रमुख कुमारमंगलम बिड़ला के बेटे हैं। आर्यमन ने मध्य प्रदेश की ओर से घरेलू क्रिकेट खेला है। इस क्रिकेटर ने अपना अंतिम फर्स्ट क्लास मैच जनवरी 2019 में इंदौर में आंध्र प्रदेश के खिलाफ खेला था।

इसके बाद वह अपने कारोबार में लग गये थे। एक रिपोर्ट के अनुसार आर्यमन की नेटवर्थ लगभग 70,000 करोड़ है। जो सचिन तेंदुलकर की कुल संपत्ति से लगभग 6 गुना ज्यादा है। दो दशक से अधिक समय तक अंतरराष्ट्रीय खेलने वाले सचिन की नेटवर्थ लगभग 1200 करोड़ है।वहीं विराट कोहली ने कोहली की कुल नेटवर्थ लगभग 1000 करोड़ है। आईसीसी की तीनों ट्रॉफी जीतने वाले दुनिया के इकलौते कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की भी कुल संपत्ति लगभग 923 करोड़ है।

आर्यमन को 2017-18 में मध्य प्रदेश की रणजी ट्रॉफी टीम में चुना गया था। आईपीएल 2018 में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें अपनी टीम में लिया था। राजस्थान रॉयल्स ने तब नीलामी में आर्यमन को 30 लाख में खरीदा था। आर्यमन ने 9 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और एक अर्धशतक की मदद से कुल 414 रन बनाए हैं। लिस्ट ए (घरेलू क्रिकेट में सीमित ओवरों का मैच) के 4 मैचों में 36 रन बनाए हैं। साल 2019 में आर्यमन निजी कारणों से क्रिकेट से ब्रेक ले लिया।

सरफराज को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिल सकता है अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाने वाले सरफराज खान को जून में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से एक बार फिर अवसर मिल सकता है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्हें एक भी टेस्ट मैच में खेलने का मौका नहीं मिला क्योंकि वह चोटिल हो गए थे। इसके बाद वह घरेलू क्रिकेट भी नहीं खेल पाये। भारतीय टीम को अब टेस्ट क्रिकेट जून में खेलना है। तब टीम इंडिया इंग्लैंड दौरे पर जाएगी जहां उसे मेजबानों के साथ 5 टेस्ट की सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से खेला जाएगा। सरफराज ने अपना आखिरी टेस्ट न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले साल नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर में खेला था। उन्होंने अभी तक भारत के लिए केवल एक टेस्ट में डेब्यू किया है। ऐसे में अब वह तभी भारतीय टीम में नजर आ सकते हैं। सरफराज का घरेलू क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड है। उन्हें घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद साल 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू का मौका मिला। सरफराज ने अब तक 6 टेस्ट खेले हैं जिसमें उन्होंने 371 रन बनाए हैं जिसमें 1 शतक और 3 अर्धशतक शामिल है। उनका सबसे अधिक स्कोर 150 रन रहा है।

दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज सहित कई टीमों के खिलाफ सीरीज की तारीख और वेन्यू का हुआ खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 का रोमांच शुरू हो चुका है, ये टूर्नामेंट 25 मई तक खेला जाएगा। इसके बाद टीम इंडिया का शेड्यूल काफी व्यस्त रहने वाला है। आईपीएल के बाद भारत इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज खेलेगा। अब दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज टीम भारत का दौरा करेगी। जिसका शेड्यूल सामने आ गया है। इसी साल नवंबर-दिसंबर महीने के समय भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पांच टी20 और तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। भारत को इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के खिलाफ भी सीरीज खेलनी हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच वनडे सीरीज की शुरुआत, जिसके 3 मैच रांची, रायपुर और विजाग में खेले जाएंगे। वहीं पांच टी20 मैचों की सीरीज 9 दिसंबर से शुरू होगी और सीरीज का आखिरी मुकाबला 19 दिसंबर को खेला जाएगा। वहीं भारत 12 साल बाद अक्टूबर में दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की मेजबानी करेगा। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने पीटीआई को बताया कि भारत

2 अक्टूबर से मोहाली में पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज से भिड़ेगा। दूसरा टेस्ट 10 अक्टूबर से कोलकाता के ईडन गार्डन में होगा। वेस्टइंडीज का भारत का पिछला टेस्ट दौरा 2013-14 में हुआ था। ये दिग्गज सचिन तेंदुलकर की फेरवेल सीरीज थी। कैरेबियाई टीम ने पिछली बार भारत का दौरा 2022 में तीन वनडे और इतने ही टी20 मैचों के लिए किया था। साउथ अफ्रीकी टीम इसके तुरंत बाद दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी20 मैचों की सीरीज के लिए भारत आएगी।

राजीव शुक्ला ने पीटीआई से कहा कि, पहला टेस्ट दिल्ली में होगा, जबकि दूसरा टेस्ट गुवाहाटी में होगा। ये गुवाहाटी में पहला टेस्ट होगा, जो अक्सर सफेद गेंद के मैचों की मेजबानी करता है। पिछले दो सत्रों से आईपीएल मैचों की मेजबानी भी कर रहा है। टेस्ट मैचों के बाद पहला वनडे 30 नवंबर को रांची में होगा। रायपुर 3 दिसंबर को दूसरे वनडे की मेजबानी करेगा। अंतिम वनडे 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में होगा। पहला टी20 9 दिसंबर को खेला जाएगा। इसके बाद 11, 14, 17 और 19 दिसंबर को मैच होंगे। आईपीएळ 2025 के खत्म होने के बाद टीम इंडिया को इंग्लैंड का दौरा करना है। जहां दोनों टीमों के बीच पांच टेस्ट खेले जाने हैं। इसके उसके बाद भारत को बांग्लादेशी दौरे पर भी जाना है। वहीं सितंबर में टी20 एशिया कप खेला जाएगा। एशिया कप के बाद वेस्टइंडीज टीम 2 टेस्ट मैचों के लिए भारत आएगी, ये दोनों मोहाली और कोलकाता में खेले जाएंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से पूर्व टीम इंडिया 3 वनडे और पांच टी20 मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी।

इसके साथ ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के 2025-27 चक्र की शुरुआत भी होगी। फिलहाल भारतीय खिलाड़ियों का ध्यान आईपीएल 2025 पर है, जिससे भारत को 2026 टी20 वर्ल्ड कप के लिए कुछ नए चेहरे भी मिल सकते हैं।

केकेआर के सुनील नरेन ने रचा कीर्तिमान, आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरसीबी के खिलाफ पहले मुकाबले में केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने अपनी टीम के लिए शानदार पारी खेली और अपनी इस पारी के दम पर उन्होंने अंबाती रायुडू का रिकॉर्ड तोड़ तो वहीं इस मैच में सुनील नरेन बेशक अर्धशतक नहीं लगा पाए, लेकिन अपनी पारी के दौरान उन्होंने 3 छक्के लगाए और आईपीएल में 100 छक्के भी पूरे कर लिए हैं। सुनील नरेन ने ना सिर्फ आईपीएल में 100 छक्के पूरे किए बल्कि उन्होंने इस लीग में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के पूरे करने वाले

बैटर की लिस्ट में भी अपना नाम शुमार कर लिया और हार्दिक पंड्या के इस रिकॉर्ड को तोड़ने में सफलता हासिल कर ली।

सुनील नरेन ने आरसीबी के खिलाफ 26 गेंदों पर 44 रन की पारी खेली और इस दौरान 3 छक्के और 5 चौके लगाए। इन 3 छक्कों के दम पर उन्होंने इस लीग में 100 छक्के पूरे किए। यही नहीं नरेन आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के पूरे करने वाले बैटर की लिस्ट में चौथे नंबर पर आ गए। नरेन ने इस लीग में अपने 100 छक्के 950 गेंदों पर पूरे किए और हार्दिक को पीछे छोड़ दिए। जिन्होंने ये कमाल 1046 गेंदों पर किया था। इस लिस्ट में पहले नंबर पर आंद्रे रसेल हैं जिन्होंने 100 छक्के 657 गेंदों पर पूरा किया था।

केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने किया खुलासा, बताई हार की सबसे बड़ी वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के 18वें सीजन का आगाज तो हो गया, लेकिन पिछले साल की चैंपियन टीम केकेआर की शुरुआत बेहद खराब रही। कोलकाता नाइट राइडर्स को अपने पहले ही मुकाबले में आरसीबी के हाथों 7 विकेट से हार मिली। हालांकि, मुकाबले में केकेआर की शुरुआत अच्छी रही लेकिन टीम उसे जीत में नहीं बदल सकी। मैच के बाद टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टीम की हार की बड़ी वजह बताई।

केकेआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 174 रन बनाए। जिसे आरसीबी ने 17वें ओवर की दूसरी ही गेंद पर हासिल कर लिया। कोहली ने नाबाद 59 रनों की पारी खेली जिसमें उन्होंने 36 गेंदों का सामना भी करते हुए चार चौके और तीन छक्के भी जड़े। जबकि फिल सॉल्ट ने 31 गेंदों पर 9 चौके और दो छक्कों की मदद से 56 रन बनाए।

रहाणे आईपीएल में पहली बार कोलकाता की कप्तानी कर रहे हैं। उन्होंने इस मैच में तूफानी अंदाज दिखाया और फिफ्टी ठोकी। उन्होंने 31 गेंदों पर 6 चौके और चार छक्कों की मदद से 56 रन बनाए। रहाणे ने कहा कि उनकी टीम ने शुरुआत तो अच्छी की लेकिन जैसे ही उनका विकेट गिरा टीम राह भटक गई।

रहाणे ने मैच के बाद कहा कि, हम 13वें ओवर तक अच्छा खेले, लेकिन 2-3 विकेट ने पूरा मोमेंटम बदल लिया। हमें अपनी गलतियों से सीखना होगा। जब मैं और वेंकटेश अय्यर बल्लेबाजी कर रहे थे तब लग रहा था कि 210-220 तक जाएगा, लेकिन हम विकेट खो बैठे। रहाणे ने माना कि दूसरी पारी में ओस ने परेशान किया लेकिन कोहली और सॉल्ट ने जिस तरह से पावरप्ले में बल्लेबाजी की उसने काम और मुश्किल कर दिया। केकेआर कप्तान ने कहा कि, ओस थी लेकिन उन्होंने पावरप्ले में अच्छी बल्लेबाजी की। हम जल्दी विकेट नहीं ले सके।

हम इस के बारे में ज्यादा नहीं सोचना चाहते बस एक टीम केतौर पर सुधआर करना चाहते हैं।

हीथर नाइट ने छोड़ी इंग्लैंड की कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हीथर नाइट ने लगभग 9 साल बाद इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ दी है। इसकी जानकारी इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने दी है। हालांकि, 34 वर्षीय ये खिलाड़ी इंग्लैंड के चयन के लिए उपलब्ध रहेंगी। 2016 में कप्तानी की भूमिका संभालने के बाद से नाइट ने 199 मैचों में इंग्लैंड टीम का नेतृत्व किया है।

नाइट की कप्तानी में इंग्लैंड ने घरेलू सरजमीं पर 2017 में भारत को हराकर वर्ल्ड कप जीता था। इसके अलावा उनके नेतृत्व में दो अन्य आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में टीम खेली। नाइट की कप्तानी में इंग्लैंड ने 134 मैच जीते और वह इंग्लैंड की दूसरी सबसे सफल कप्तान हैं। नाइट की कप्तानी में इंग्लैंड की टीम को लगातार आठ वनडे सीरीज जीती। इसमें 2023 के घरेलू सरजमीं पर एशेज के दौरान ऑस्ट्रेलिया को हराना भी शामिल है। हालांकि, पिछले साल यूएई में हुए टी20 वर्ल्ड कप और हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में हुए एशेज में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद ईसीबी ने नए कप्तान की नियुक्त करने का फैसला किया है। नाइट के उत्तराधिकारी की नियुक्ति जल्द ही की जाएगी।

वहीं इस पर नाइट ने कहा कि, पिछले 9 सालों से अपने देश की कप्तानी करना मेरे जीवन का सबसे बड़ी सम्मान रहा है और मैं अपने कार्यकाल को बहुत गर्व के साथ याद करूंगी। मुझे टीम का नेतृत्व करने की चुनौती पसंद है, लेकिन सभी अच्छी चीजें खत्म होती हैं और अब समय आ गया है कि मैं टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और टीममेट बनने पर ध्यान केंद्रित करूं।

आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन कर इंग्लैंड टीम में जगह बनाना चाहते हैं सैम करन

मुम्बई (एजेंसी)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर सैम करन का लक्ष्य आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन कर इंग्लैंड टीम में वापसी करना है। करन इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम में शामिल है। करन ने पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज के बाद से इंग्लैंड के लिए नहीं खेला है। इसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी उन्हें टीम में जगह नहीं मिली थी। इस क्रिकेटर ने कहा, मेरा मुख्य लक्ष्य अब इंग्लैंड टीम में वापसी करना है। इसके लिए मुझे आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। साथ कहा कि इंग्लैंड के साथ मुझे लगता है कि मुझे कभी भी सही भूमिका नहीं मिली है। मुझे लगता है कि अगर मैं इंग्लैंड के साथ अपनी भूमिका सही से निभा पाया, तो मैं टीम में जगह पककी कर पाउंगा। करन ने कहा, मैं वास्तव में अच्छी स्थिति में हूं। मैं अभी

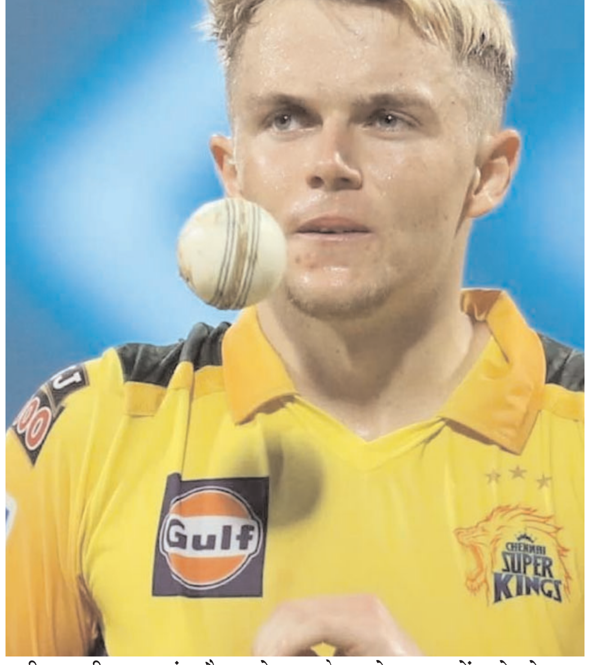

भी काफी युवा हूं और मुझे लगता है कि जब कमजोर चीजों को संभालने की बात आती है तो मैं परिपक्व हो गया हूं। थोड़ा और अनुभवी होने के नाते, हालातों को बेहतर ढंग से समझने के कारण, मुझे वास्तव में उम्मीद है कि मैं टीम में वापस आ सकता हूं। ऐसा करने का केवल एक ही तरीका है और वह है अच्छा प्रदर्शन। सीएसक को 23 मार्च को चेन्नई में मुंबई इंडियंस से खेलना है। आईपीएल 2025 में करन का सीएसके के साथ ये तीसर साल है। इससे पहले वह 2020 और 2021 सीजन में उसकी ओर से खेले हैं। उन्होंने मैकुलम द्वारा दिए गए फीडबैक के बारे में भी बात की कि उन्हें इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल योजना से क्यों बाहर रखा गया।

उन्होंने कहा, जब मुझे बाहर रखा गया था, तब मैकुलम ने मुझे शुरुआत में बुलाया था, वह स्पष्ट और ईमानदार थे, और मैं इसका सम्मान करता हूं। मैंने उनके अधीन कभी काम नहीं किया है, लेकिन वह जो वह चाहते हैं बहुत ईमानदार और स्पष्ट दिखते हैं। उन्होंने कहा कि मैं अभी वहां नहीं रहूंगा, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि दरवाजा बंद हो गया है। यह दूर जाने, वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करने और प्रदर्शन करने के बारे में है।

विशेषज्ञ बोले रोहित, शुभमन, श्रेयस सहित ये खिलाड़ी बना सकते हैं आईपीएल में सबसे ज्यादा रन

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कौन सा क्रिकेटर सबसे अधिक रन बनाएगा। इसके लिए क्रिकेट विशेषज्ञों ने भविष्यवाणी शुरु कर दी है। कुछ का मानना है कि रोहित शर्मा सबसे ज्यादा रन बनाएंगे जबकि कुछ का मानना है कि शुभमन गिल या के एल राहुल सबसे अधिक रन बनाएंगे पर किसी ने भी स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का नाम नहीं लिया है जबकि विराट ने आईपीएल में सबसे अधिक रन बनाये हैं।

कुछ का मानना है कि राजस्थान रॉयल्स के यशस्वी जायसवाल भी सबसे अधिक रन बना सकते हैं। वहीं माइकल वॉन और शॉन पॉलक समेत सहित तीन विशेषज्ञा का मानना है कि बाएं हाथ का यह युवा बल्लेबाज इस सत्र में जमकर रन बनाएगा। वहीं कुछ विशेषज्ञों ने कहा कि

पंजाव किंग्स से खेल रहे श्रेयस अय्यर सबसे अधिक रन बनाएंगे। महिला क्रिकेटर लिसा स्थालिकर के अनुसार रोहित इस बार सबसे अधिक रन बनाएंगे जबकि कमेंटेटर हर्षा भोगले और वीरेंद्र सहवाग ने केएल राहुल का नाम लिया है। एडम गिलक्रिस्ट के अनुसार श्रेयस सबसे अधिक रन बनायेंगे। वहीं मुरली कार्तिक ने शुभमन का नाम लिया है जबकि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के अनुसार यशस्वी जायस्वाल सबसे अधिक रन बनाएंगे।

माफियाओं का अजब गजब कारनामा, वाहनों में प्लेट लगा कर की जा रही बालू-गिट्टी की सप्लाई

हाइवा वाहन की बात कर डंपर के बराबर हाउस मटेरियल देकर ग्राहकों को लगाया जा रहा चूना

मीडिया ऑडीटर, सतना/रीवा (निप्र)। जिले के साथ पुरे प्रदेश में न जाने कितने घर बन रहे है लेकिन खनिज माफिया भी तरह तरह की काला बाजारी करने का जुगाड़ बना ही लेते है, रीवा जिले में इस समय प्लेट लगे वाहनों की भरमार देखी जा सकती है इस तरह के वाहन का उपयोग केवल काला बाजारी के लिए वाहन स्वामी कर रहे है इस काम में नेता अधिकारी व ट्रांसपोर्ट संघ के लोग काफी सहयोग दे रहे है। वही कार्यवाही के लिए पीठ थप थापा रहे अधिकारी केवल खाना पूर्ति में ही सीमित है चाहे आर टी ओ हो या खनिज केवल मोटी रकम के भूखे है जैसे रकम मिली वैसे ही अवैध काम वैध हो जाता है।

कैसे कैसे बनवाते है घर: लोग रात दिन मेहनत कर पैसे कमाते है फिर जब घर बनवाना चालू करते है तो डकैतों की भांति यह माफिया लोगो की जेब में डकैती डाल कर अपनी तरक्की करने में जुट जाते है इन्ही का देखा सीखी और छोटे छोटे माफिया तैयार हो रहे है रीवा में जगह जगह रेत के भंडार व गिट्टी के भंडार देखने को मिल जाता है अगर कोई अनजान व्यक्ति इनके पास जाता है तो ये बड़ी बड़ी गाड़ी दिखा कर डकैती डाल देते है और बात हाइवा की कर डम्फर के बराबर रेत या गिट्टी गिरा कर चल देते हैं।

इस तरह से करते हैं धोखाधड़ी

दरअसल इन दिनों इस तरह के माफिया बाजार में सक्रिय हो गए हैं जो लोगों को चुना लगाने के लिए अब नई तरकीब से काम करते हुए अधिक मात्रा में मटेरियल दिखाकर कम मात्रा का मटेरियल उनके घर तक पहुंचाते हैं और इस कालाबाजारी को अंजाम देने के लिए माफियाओं के द्वारा अपने वाहनों में प्लेट लगाई गई है जिससे लोगों को दिखने वाला हैवी हाइवा वाहन डंपर में तब्दील हो गया है और लोग उसे हाइवा वाहन मानकर ही अपने घर का मटेरियल मंगवा रहे हैं।

रेट में नो कंप्रोमाइज : बताया जा रहा है कि लोगों को घर बनाने के लिए जब सामग्री की जरूरत पड़ती है तो पहले वह किसी एक व्यक्ति के संपर्क में आता है जिसे सही ढंग से घर बनाने वाली सामग्री बालू और गिट्टी दिखाई जाती है जिसमें माफिया घर तक पहुंचाने का रेट भी तय कर लेते हैं इसके बाद उन लोगों के द्वारा जब सामग्री भेजने का समय आता है तो बालू और गिट्टी को प्लेट लगी वाहनों में लोड कराया जाता है जो दिखे तो ज्यादा मात्रा में मगर घर बनवाने वाले व्यक्ति तक कम मात्रा में पहुंचे और ऐसे में आम लोगों को भारी नुकसान पहुंचा कर यह माफिया अपनी काली कमाई में वृद्धि करते जा रहे हैं।

सरकारी अफसरों की सांठ गांठ का खेल : आपको बता दें आरटीओ और खनिज विभाग की टीम के द्वारा भी इन माफियाओं से अच्छी खासी सेटिंग की जाती है जिसके कारण इन वाहन मालिकों पर प्रशासन की मेहरबानी बनी रहती है और बिना किसी रोक टोक के ही यह माफिया अपने काम में मशगूल रहते हैं।

बाइक-कार भिड़ंत, महिला की मौत

रामेश्वरम से माता के दर्शन करने जा रहे थे चार पहिया वाहन में बैठे लोग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर में सड़क हादसे में बाइक सवार महिला की मौत हो गई। बाइक चालक गंभीर रूप से घायल है, उसे कटनी जिला अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने कार जब्त कर मामला जांच में लिया है।हादसा एनएच 30 पर रिलायंस मोड़ के पास रविवार दोपहर के समय हुआ। मैहर की ओर जा रही एक कार और बाइक आपस में टकरा गए।

मृतक महिला (65) की पहचान कटनी निवासी के रूप में हुई है। बताया गया कि कार (यूपी 74एएन5004) में सवार लोग कन्नौज के थे, रामेश्वरम की यात्रा कर मैहर में मां शारदा के दर्शन करने जा रहे थे।

तभी रिलायंस मोड़ पर उनकी कार की टक्कर रॉन्ग साइड से आ रही बाइक से हो गई।

जिले अंतर्गत राजस्व अमले ने किया ओला प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर मैहर रानी बाटड के निर्देशन में मैहर जिले में गत दिवस हुई ओलावृष्टि और असामयिक वर्षा से प्रभावित क्षेत्र ग्राम अजवाइन, बेरमा, मोहनिया, नौगवां, अमदरा एवं ग्राम सलैया सहित विभिन्न ग्रामों में फ़सलों का सर्वे कार्य राजस्व अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है।

इस दौरान राजस्व अधिकारी द्वारा ग्राम अजवाइन में फ़सल सर्वे के दौरान नुकसान 5 प्रतिशत से कम पाया गया। राजस्व अमला ओलावृष्टि के बाद से ही लगातार सर्वे कर रहा है और किसानों को शीघ्र राहत पहुँचाने के प्रयास किये जा रहे हैं। रामनगर क्षेत्र की एसडीएम डॉ. आरती सिंह के निर्देशन में तहसीलदार आरडी साकेत और तहसीलदार रामनगर का अधीनस्थ राजस्व अमला भी फ़सल नुकसानी के सर्वे में लगा हुआ है।

15 जोड़ी ट्रेनों का 5 मिनट अतिरिक्त ठहराव

42 का पहले से स्थाई हॉल्ट, अब 114 रूकेंगी, चैत्र नवरात्रि में श्रद्धालुओं को होगी सुविधा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर में 30 मार्च से 12 अप्रैल तक 15 जोड़ी ट्रेनों का 5 मिनट का अस्थाई ठहराव दिया जाएगा। स्टेशन पर पहले से ही 42 जोड़ी ट्रेनों का स्थाई हॉल्ट है। नए निर्णय के बाद अब अप-डाउन मिलाकर कुल 114 ट्रेनें यहां रुकेंगी।

चैत्र नवरात्रि में मां शारदा के दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। अस्थाई ठहराव वाली ट्रेनों में एलटीटी-गोरखपुर, एलटीटी-छपरा, चेन्नई-छपरा और वलसाड-मुजफ्फरपुर शामिल हैं।

इसके अलावा कोल्हापुर-धनबाद, एलटीटी-रक्सौल और दुर्ग-नवतनवा भी रुकेंगी। पुणे-गोरखपुर, पूर्णा-पटना, एलटीटी-अयोध्या कैंट, एलटीटी-रांची, बांद्रा-पटना, पुणे-बनारस, एलटीटी-गुवाहाटी और सूरत-छपरा एक्सप्रेस को भी अस्थाई ठहराव मिलेगा।

सिन्ध के वीर सपूत अमर शहीद हेमू कालानी का मनाया गया102वां जन्मोत्सव, हुए कई आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सिन्ध के वीर सपूत देश को आजाद करने के लिए मात्र 19 वर्ष की आयु में हंसते-हंसते सूली पर चढ़ने वाले अमर शहीद हेमू कालोनी का 102वां जन्मोत्सव बड़े धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ रविवार को सिन्धी कालोनी स्थित अमर शहीद हेमू कालानी पार्क में सिन्धु विकास समिति के तत्वाधान में मनाया गया। इस अवसर पर संरक्षक गोपी गेलानी श्रीचंद मनवाणी अध्यक्ष विनोद गेलानी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

संस्था के महामंत्री घनश्याम मंघरानी ने जानकारी देते हुए बताया कार्यक्रम में सर्वप्रथम पार्क में स्थापित हेमू कालाणी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तत्पश्चात केक काटकर जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर मनोहर आरतानी विजय जग्यासी रंजीत सेनानी दीपक वाधवानी ने हेमू कालाणी के जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का सफल संचालन अध्यक्ष विनोद गेलानी ने किया आभार महामंत्री घनश्याम मंघरानी ने व्यक्त किया।

इस अवसर पर चंद्रलाल मोटवानी दयाराम आडवाणी किशनचंद् छूट्टानी श्रीचंद मनवानी गोपी गेलानी मनोहर आर्तनी विजय जग्यासी अशोक चांदवानी घनश्याम मंघरानी इंद्रलाल आडवाणी गंगाराम सचदेव रंजीत सेनानी संजय वाधवानी दिलीप सोनी दीपक वाधवानी मनीष सदानी राजकुमार साधवानी संजय आहूजा इंद्रलाल कापड़ी राजेश लालचंदानी जितेंद्र गावरी किशोर वलेजा एवं अनेक समाजसेवीगण उपस्थित रहे।

झाड़-फूंक के बहाने युवती से किया गलत काम, आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के सोहागी थाना क्षेत्र में रविवार को एक युवती के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। एक तांत्रिक ने झाड़-फूंक के नाम पर युवती के साथ दुष्कर्म किया। बीमार युवती को प्रेत बाधा से ग्रस्त बताकर झाड़-फूंक करने के बहाने तांत्रिक ने घरवालों को अपने झांसे में लिया और फिर मौका पाकर युवती के साथ गलत काम किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। घटना सोहागी थाना क्षेत्र की है। 20 वर्षीय पीड़ित युवती को परिजनों ने समर उर्फ समरेंद्र नाम के तांत्रिक के पास ले जाया। आरोपी तांत्रिक ने युवती को ठीक करने का दावा करते हुए उनके घर आकर तंत्र-मंत्र करने की बात कही। घर पहुंचते ही तांत्रिक ने एक बड़े चूने का गोला बनाकर परिजनों को उसमें बैठा दिया और कहा कि यदि वे बाहर निकले तो प्रेत बाधा की चपेट में आ जाएंगे। इसके बाद उसने झाड़-फूंक के बहाने युवती को अलग कमरे में ले जाकर दुष्कर्म किया।

कुशमेदा में किशोरी ने की आत्महत्या, पुलिसकर्मी पर ब्लैकमेलिंग का आरोप, परिजनों ने किया हंगामा

आश्वासन के बाद अंतिम संस्कार करने के लिए माने

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। तराई अंचल में जवा थाना क्षेत्र के कुशमेदा गांव में 15 साल की नाबालिग ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों का आरोप है कि जवा पुलिस के एक आरक्षक के ब्लैकमेलिंग के चलते किशोरी ने यह आत्मघाती कदम उठाया। घटना शनिवार की बताई जा रही है, जबकि रविवार दोपहर परिजनों ने नाराजगी जताते हुए अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। हालांकि, पुलिस के समझाइश के बाद परिजन मान गए।

दोस्त के साथ देखने पर थाने ले गई पुलिस: मृतका की बहन के अनुसार, 21 मार्च को उसकी बहन 10वीं का परीक्षा देकर लौट रही थी। इसी दौरान वह जवा थाने के पास अपने साथी छात्र के साथ सेल्फी लेने लगी। तभी मौके पर जवा थाने में पदस्थ पुलिसकर्मी शिवेंद्र मिश्रा ने उन्हें रोकते हुए पूछताछ की। साथ ही दोनों को पकड़कर थाने ले गया।

पैसे की मांग और धमकी का आरोप: परिजनों का आरोप है कि पुलिसकर्मी ने किशोरी और उसके साथी छात्र को धमकाते हुए उन दोनों की फोटो वायरल करने की धमकी दी और गांव के समाज के किसी ग्रुप में उनकी फोटो शेयर कर दी। देर शाम तक थाने में बैठाए रखा। इतना ही नहीं, छात्र-छात्रा को छोड़ने के एवज में परिजनों से पैसों की भी मांग की गई। किसी तरह परिजन किशोरी और उसके साथी को घर ले आए, लेकिन घटना से आहत किशोरी ने शनिवार को आत्महत्या कर ली।

परिजनों ने 3 घंटे किया हंगामा: घटना के विरोध में परिजन शनिवार शाम से ही आक्रोशित थे, जिसके बाद उन्होंने रविवार दोपहर 1 से 4 बजे तक रोड जाम कर दिया। हालांकि, प्रशासन के समझाइश के बाद परिजन मान गए। इस मामले को लेकर एसडीओपी उदित मिश्रा ने बताया कि परिजनों ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपे है। जिसमें संबंधित पुलिसकर्मी का नाम आया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दोषी पाए जाने पर उचित कार्रवाई की जाएगी। वहीं, शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

पुलिसकर्मियों ने नाले में फंसी गाय को बचाया

गश्त के दौरान सतना में सीएसपी और टीम ने जेसीबी की मदद से किया रेस्क्यू

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में शनिवार की देर रात पुलिस ने एक गाय को नाले से बचाया। सीएसपी महेंद्र सिंह अपनी टीम के साथ रीवा रोड पर कांबिंग गश्त कर रहे थे। इस दौरान उन्हें सड़क किनारे 4 लोग संदिग्ध अवस्था में खड़े दिखाई दिए।

पूछताछ में पता चला कि एक गाय नाले में गिर गई है। ये लोग उसे निकालने का रास्ता सोच रहे थे। मौके पर पहुंचकर सीएसपी ने स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने तुरंत नगर निगम के अतिक्रमण शाखा के अधिकारी को फोन कर जेसीबी और कर्मचारियों को बुलाया।

पुलिस और निगमकर्मियों ने मिलकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। गाय को रस्से से बांधकर जेसीबी की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया। अगली सुबह इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। लोग पुलिस के इस मानवीय कार्य की सराहना कर रहे हैं।

शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम की दसवीं प्रस्तुति 1 अप्रैल को

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर मां शारदा की पावन नगरी एवं संगीत सम्राट पद्म विभूषण बाबा अलाउद्दीन खाँ की साधना स्थली मैहर में शास्त्रीय संगीत के उभरते हुये नवोदित कलाकारों को मंच देने का कार्य जिला प्रशासन के सहयोग से मैहर म्यूजिक अटाला आर्ट सिटी के तत्वाधान में 1 जुलाई 2024 से प्रारंभ किया गया था। जिसकी दसवीं प्रस्तुति 1 अप्रैल 2025 दिन मंगलवार को शासकीय संगीत महाविद्यालय परिसर में सायं 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक संपन्न होगी। शास्त्रीय संगीत के इस कार्यक्रम में शास्त्रीय गायन, वादन एवं नृत्य के कलाकार अपनी प्रस्तुती दे सकेंगे। साथ में अटाला आर्ट के तहत घर की अनुउपयोगी वस्तुओं से निर्मित कलाकृति की प्रदर्शनी भी शासकीय संगीत कॉलेज परिसर में लगाई जाएगी। पूर्व में ब्लू बेल्स एकेडमी, सेमरॉक एकेडमी के बच्चों द्वारा अटला आर्ट प्रदर्शनी में अपनी सहभागिता दी थी। जिले की अन्य विद्यालय भी इस क्रम को आगे बढ़ाने में सहयोग प्रदान करें।

कलाकार अपने आवेदन बायोडाटा के साथ 25 मार्च 2025 तक संगीत महाविद्यालय मैहर में प्रभारी अनिल कुमार जायसवाल सहायक व्याख्याता मोबा. 7987274350 के पास जमा कर सकते हैं। जिन कलाकारों की प्रस्तुतियां हो चुकी हैं वह 1 वर्ष के पश्चात ही आवेदन करने के पात्र होंगे। मैहर घराने को जीवंत बनाने एवं विद्या की देवी माँ शारदा की नगरी को संगीत मय बनाने हेतु शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम का आयोजन प्रत्येक माह की 1 तारीख को किया जा रहा है। शास्त्रीय संगीत के इस नियमित मासिक कार्यक्रम के अवसर पर नवोदित कलाकारों के उत्साह वर्धन के लिए कला प्रेमी रसिक जन ईस्ट मित्रों के साथ सादर आमंत्रित है।

नगर परिषद कोटर में सीएमओ पर लगे भष्ट्राचार के आरोप

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगर परिषद कोटर में सीएमओ की कारगुजारियां अब खुलकर सामने आ रही हैं। उन पर लगातार लोगों द्वारा भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जा रहे हैं। अब पार्षदों तक भी शिकायत पहुँचने लगी है। सीएमओ शैलेंद्र प्रताप सिंह पर भ्रष्टाचार के कई आरोप लग चुके हैं, जिनमें हर्बल रासायनिक कैप्सूल से लेकर डीजल पर्ची और निजी कार्यों के लिए नगर परिषद के कर्मचारियों का उपयोग करने जैसी गंभीर बातें शामिल हैं। स्थानीय लोगों के साथ ही पार्षद भी अब भ्रष्टाचार को लेकर सवाल उठने लगे हैं। वे जानना चाहते हैं कि इतना भ्रष्टाचार

कैसे हुआ और इसके बारे में हवा भी क्यों नहीं लगी। बताया जा रहा है कि सीएमओ ने अपनी कूटनीतिक चालों से भुगतान कराकर इस सबको छिपाने की कोशिश की है। बताया जा रहा है कि नगर परिषद कोटर में सीएमओ के और कारनामों का खुलासा होने की संभावना है, क्योंकि पार्षदों का विरोध बढ़ता जा रहा है।

मझगवां के कठौता ग्राम में दूर हुई पेयजल की समस्या

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के मझगवां तहसील के हिरौंदी ग्राम पंचायत के कठौता ग्राम में पिछले दो दिन से नलकूप की मोटर जल जाने से पेयजल की समस्या बनी हुई थी। शिकायत के संज्ञान में आते ही कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी डीएल कनेल को तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिये। कार्यपालन यंत्री श्री कनेल ने अपने सहायक यंत्री और जल कल टीम के साथ गांव का मौका निरीक्षण किया। कठौता ग्राम में नल जल योजना के एक सोर्स की मोटर जली होने और योजना ग्राम पंचायत को हैण्डओवर नहीं होने की परिस्थिति में संबंधित ठेकेदार द्वारा रख-रखाव नहीं किया जा रहा था। मौके पर पहुंचे कार्यपालन यंत्री ने संबंधित ठेकेदार को कडी कार्यवाही की चेतावनी देते हुए सुधार कार्य करवाया। जिसमें कठौता के जल योजना के एक जल स्त्रोत में लाइन बढाकर 30 एलपीएम की मोटर डालकर उसे चालू कराया। इसके साथ ही दूसरे जल स्त्रोत के टयूब बेल में हैण्डपम्प निकालकर उसमें मोटर डालकर समानांतर रूप से स्पाट सोर्स योजना के तहत पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। कठौता के ग्रामीण जन पेयजल मुहैया कराने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की त्वरित कार्यवाही से संतुष्ट है।

रोजगार मेला आज मझगवां में

सतना। शासकीय आईटीआई एवं रोजगार कार्यालय सतना द्वारा 21 मार्च से 3 अप्रैल 2025 तक सतना एवं मैहर जिले में स्थित समस्त आईटीआई में एसआईएस सिक्योरिटी सर्विस का एकदिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि 24 मार्च को जनपद पंचायत मझगवां, 25 मार्च को जनपद पंचायत उचेहरा, 26 मार्च को जनपद पंचायत नागौद, 27 मार्च को जनपद पंचायत सोहावल, 28 मार्च को शासकीय आईटीआई मैहर, 1 अप्रैल को शासकीय आईटीआई अमरपाटन, 2 अप्रैल को शासकीय आईटीआई रामनगर एवं 3 अप्रैल 2025 को जिला रोजगार कार्यालय सतना में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।